PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 295 ● भिलाई, शुक्रवार 05 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

समझौते के बाद नहीं चलाया जा सकता क्रिमिनल केस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि अगर बैंक और कर्जदार लोन खाते के निपटारे के लिए समझौता कर लेते हैं तो उसके बाद लोन डिफॉल्टर के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही जारी नहीं रखी जा सकती। अदालत ने चेतावनी दी कि ऐसी कार्यवाही को अनुमति देना न केवल दमनकारी होगा बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर डालेगा। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने एक बिजनेसमैन की याचिका स्वीकार करते हुए उसके खिलाफ चल रहे आपराधिक मामले को रद कर दिया। बेंच ने कहा कि बैंकिंग लेन-देन मूल रूप से व्यावसायिक मामला होता है। जब दोनों पक्ष आपसी समझौते से विवाद सुलझा लेते हैं तो बाद में आपराधिक केस चलाना अदालती प्रक्रिया का दुरुपयोग है। इस मामल में बिजनेसमैन ने डेब्ट रिकवरी ट्रिब्यूनल के सामने बैंक के साथ समझौता किया था।

क्राइम ब्रांच ने 131 बांग्लादेशियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। गुजरात पुलिस और क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद में गैर-कानूनी तरीके से रह रहे बंगलादेशी नागरिकों के खिलाफ बड़ा अंडरकवर ऑपरेशन शुरू किया है। मंगलवार देर रात (2 जून) शुरू हुए इस मेगा ड्राइव एजेंसियों के लिए एक बड़ी कामयाबी रही।यह ऑपरेशन अहमदाबाद क्राइम ब्रांच और लोकल पुलिस स्टेशनों की अलग-अलग टीमों ने मिलकर प्लान किया था। इसका मकसद शहर में किसी भी बड़ी एंटी-नेशनल एक्टिविटी को रोका जा सके साथ ही गैर-कानूनी तरीके से रह रहे लोगों का पता लगाया जा सके। क्राइम ब्रांच की टीमों ने खास तौर पर उन इलाकों को टारगेट किया, जो बांग्लादेशी घुसपैठियों के गढ़ माने जाते हैं। जिसमें, चंदोला झील, गुलाबनगर और दानिलिमडा के खोडियारनगर के आसपास के झुग्गी-झोपड़ियों वाले इलाके शामिल थे।

नीतीश कुमार की पार्टी ने बनाया इतिहास, जदयू के सदस्यों की संख्या 1 करोड़ से ज्यादा

पटना। बिहार के सत्तारूढ़ एनडीए में प्रमुख सहयोगी दल जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने प्राथमिक सदस्यों की संख्या में एक इतिहास रचा है। जदयू का दावा है कि उसके प्राथमिक सदस्यों की संख्या एक करोड़ से ज्यादा पहुंच गई है। जदयू के प्रमुख नीतीश कुमार बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने के बाद लगातार संगठन पर ध्यान दे रहे हैं। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने बुधवार को इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए कहा कि एक करोड़ से अधिक सदस्यों वाले जदयू परिवार में आपका स्वागत है। उन्होंने जदयू के प्राथमिक सदस्यों की संख्या एक करोड़ होने की जानकारी सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर शेयर करते हुए लिखा, हमें बताते हुए खुशी है कि जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार द्वारा 6 दिसंबर 2025 को शुरू किए गए

मुजफ्फरपुर के प्रसाद हॉस्पिटल में लगी भीषण आग

10 से ज्यादा मरीजों की मौत की आशंका,बचाव कार्य जारी

नई दिल्ली/ एजेंसी

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में एक बेहद दुखद और भयानक घटना सामने आई है। यहां के ब्रह्मपुरा स्थित प्रसाद हॉस्पिटल में अचानक भीषण आग लग गई। यह आग सुबह करीब 3 बजे अस्पताल की पांचवीं मंजिल पर स्थित आईसीयू वार्ड में लगी थी। दिल्ली के मालवीय नगर अग्निकांड के बाद अब इस हादसे ने सबको पूरी तरह से दहला दिया है। आग लगने के कारण पूरे अस्पताल परिसर में कुछ ही देर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। जहरीला धुआं पूरे अस्पताल में तेजी से फैल गया जिससे मरीज काफी घबरा गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार अस्पताल में आग लगने की मुख्य वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की करीब 12 गाड़ियां तुरंत ही घटनास्थल पर पहुंच गईं। दमकल कर्मियों ने खिड़कियां और दरवाजे तोड़कर आईसीयू और अन्य वार्डों में फंसे मरीजों को बाहर निकाला। भारी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने 20 से ज्यादा मरीजों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। बचाए गए सभी मरीजों को तुरंत शहर के अन्य सुरक्षित स्थानों और अस्पतालों में शिफ्ट कर दिया गया है। अग्निशमन अधिकारी आर.एन. पांडेय के मुताबिक जब उनकी टीम पहुंची तो स्थिति बहुत ज्यादा खराब थी। राहत और बचाव कार्य के बावजूद इस

भयानक हादसे में 10 से अधिक लोगों की जान चली गई। बचाए गए 20 मरीजों में से भी कई मरीजों की हालत काफी ज्यादा गंभीर बनी हुई है। पूरा आईसीयू वार्ड घने और काले धुएं से भर जाने के कारण कई मरीजों का दम घुट गया। एक पीड़ित परिजन ने रोते हुए बताया कि उनके पिता भी इसी आईसीयू में भर्ती थे जिनकी जान चली गई। इस दुखद घटना में जान गंवाने वाले बेगुनाह मरीजों के परिवारों में चीख-पुकार मच गई है। सभी लोग अस्पताल के बाहर अपने परिजनों की तलाश कर रहे हैं और प्रशासन से न्याय की गुहार लगा रहे हैं। हादसे के बाद अस्पताल प्रबंधन और वहां के स्टाफ के खिलाफ आम लोगों का भारी गुस्सा फूटा। मौके पर मौजूद परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद डॉक्टर और कर्मचारी मरीजों को छोड़कर भाग गए। कर्मचारियों ने मरीजों को आग में तड़पता हुआ छोड़ दिया और अपनी जान बचाकर वहां से तुरंत फरार हो गए। यहां तक कि प्रशासन ने मृत मरीजों के शव भी उनके परिजनों को नहीं सौंपे। अग्निशमन अधिकारी ने भी इस बात की पूरी तरह पुष्टि की है कि अस्पताल का ज्यादातर स्टाफ वहां से गायब था। इस भयंकर लापरवाही के कारण अब अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की जा रही है।

सीएमचौधरी ने जताया शोक,4-4 लाख मुआवजे का किया ऐलान

बिहार में मुजफ्फरपुर के प्रसाद अस्पताल के आईसीयू में लगी भीषण आग के कारण कई लोगों की जान चली गई। इस हादसे पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दुख जताया। उन्होंने मृतकों के परिवारों को तत्काल मुआवजा देने का भी ऐलान किया है। अधिकारियों ने अब तक चार मौतों की पुष्टि कर ली है। हालांकि, दस से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर सामने आ रही है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में आग लगने से चार लोगों की जान जाना अत्यंत दुखद है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और इस कठिन समय में परिवारों को संबल दें। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुआवजे का ऐलान करते हुए आगे लिखा, मृतकों के परिवारों को तत्काल 4-4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

उड़ता पंजाब' विवाद से बटोरी थी सुर्खियां

सेंसर बोर्ड के पूर्व चेयरमैन पहलाज निहलानी का निधन

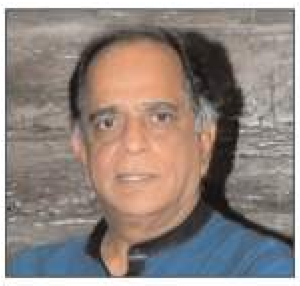

नई दिल्ली। भारतीय फिल्म उद्योग से एक दुखद खबर सामने आई है। मशहूर फिल्म निर्माता और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पहलाज निहलानी का 76 साल की उम्र में निधन हो गया। बताया जा रहा है कि वे पिछले कुछ महीनों से गंभीर रूप से बीमार थे और लिवर सिरोसिस से जूझ रहे थे। उपचार के दौरान मुंबई में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से बॉलीवुड और फिल्म जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। पहलाज निहलानी सिर्फएक सफल निर्माता ही नहीं, बल्कि सेंसर बोर्ड प्रमुख के रूप में अपने कड़े फैसलों के लिए भी सुर्खियों में रहे। उनके कार्यकाल के दौरान कई फिल्मों को लेकर विवाद सामने आए। फिल्म प्रमाणन को लेकर उनके सख्त रुख पर अक्सर बहस होती रही और वे भारतीय सिनेमा में सेंसरशिप को लेकर चर्चाओं के केंद्र में रहे। निहलानी का नाम सबसे ज्यादा उस समय चर्चा में आया था

राष्ट्रीय राजधानी में तूफानी बारिश

80-100 किमी प्रति घंटा की हवा! कई जगह गिरे पेड़ जहां-तहां फंसे लोग........

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर में गुरुवार को अचानक मौसम ने करवट ली। तेज धूल भरी आंधी के बाद झमाझम बारिश शुरू हुई। इससे पूरे शहर का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। सड़कों पर वाहन फंसे रहे और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई इलाकों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। हवा की रफ्तार इतनी थी कि कुछ जगह टीन शेड गिरने की सूचनाएं हैं। नोएडा के सेक्टर-70 में आधा दर्जन पेड़ गिर गए। कुछ पेड़ लोगों के वाहनों पर गिर गए, जिससे उनको काफी नुकसान हो गया। साथ ही बिजली के तार टूटने से कई इलाकों में बत्ती गुल हो गई। जिससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। एक नए पश्चिमी विक्षोभ ने बुधवार को दस्तक दी है। इसका असर बृहस्पतिवार दोपहर में देखने को मिला। मौसम विभाग के अनुसार, 7, 8 और 9 जून को मौसम अपेक्षाकृत स्थिर रहेगा। इस दौरान आसमान साफ रहने का अनुमान है। इससे तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच सकता है। ऐसे में गर्मी बढ़ेगी। दूसरी ओर, दिल्ली के

ज्यादातर इलाकों में गुरुवार सुबह धूप रही। इससे लोग गर्मी से परेशान दिखे। मौसम विभाग ने बारिश की संभावना जताई थी। बारिश होने के बाद तापमान में गिरावट आने से लोगों को राहत महसूस हुई। पिछले दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस के बाद बृहस्पतिवार शाम मौसम ने अचानक करवट ले ली। तेज आंधी, गरज-चमक और बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दिलाई। दोपहर तक जहां तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोग बेहाल थे, वहीं शाम होते-होते आसमान में घने बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। दिनभर तेज धूप और उमस के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़कों पर निकलने वाले लोग पसीने से तरबतर नजर आए। मौसम विभाग की ओर से पहले ही मौसम में बदलाव की संभावना जताई गई थी, जो शाम को सही साबित हुई। दोपहर के समय अचानक तेज हवाएं चलनी शुरू हुईं।

दिल्ली अग्निकांड मामले

आरोपी लवकेश बजाज को चार दिन की पुलिस रिमांड

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली के मालवीय नगर अग्निकांड मामले में जांच अब तेज हो गई है। इस मामले में आरोपी होटल मालिक लवकेश बजाज को दिल्ली पुलिस ने साकेत कोर्ट में पेश किया, जहां अदालत ने उसे 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। कोर्ट में पुलिस ने दलील दी कि मामले की गहराई से जांच के लिए लवकेश की हिरासत जरूरी है, खासतौर पर होटल से जुड़े दस्तावेज़ों और अन्य अहम सबूत जुटाने के लिए। हालांकि, लवकेश बजाज की तरफ से इस रिमांड का

विरोध किया और अदालत में कहा कि वो जांच में पूरा सहयोग कर रहा है, इसलिए पुलिस रिमांड की कोई जरूरत नहीं है। साथ ही उसके वकील ने यह भी मुद्दा उठाया कि उनको अभी तक एफआईआर की कॉपी नहीं दी गई है, जो सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के खिलाफ है। लवकेश की इस दलील पर दिल्ली पुलिस ने अदालत को भरोसा दिया कि जल्द ही एफआईआर की कॉपी उसको उपलब्ध करा दी जाएगी। इस हादसे के बाद दिल्ली पुलिस कई स्तरों पर जांच को आगे बढ़ा रही है। दिल्ली पुलिस ने एमसीडी को भी पत्र लिखकर इमारत का स्ट्रक्चरल सेफ्टी सर्वे कराने को कहा है, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि बिल्डिंग सुरक्षा मानकों पर खरी थी या नहीं। इसके साथ ही, बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस से भी भवन की बिजली कनेक्शन को लेकर जानकारी मांगी गई है।

नीट यूजी पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्रालय ने शुरू की कार्रवाई

नई दिल्ली। नीट-यूजी प्रवेश परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर सख्त प्रशासनिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके साथ ही मामले की गहन जांच जारी है। सूत्रों के अनुसार, शिक्षा मंत्रालय ने एक निजी कंपनी कोएम्प्ट को विवादास्पद परिचालन अनुबंध दिए जाने के संबंध में औपचारिक रूप से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि जांचकर्ता कंपनी की तकनीकी योग्यता और पिछले प्रदर्शन के रिकॉर्ड की बारीकी से जांच कर रहे हैं, ताकि यह समझा जा सके कि परीक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां उसे कैसे सौंपी गईं।

एक साथ बीजेपी को दो बड़े झटके

कांग्रेस में वापसी कर सकते हैं पूर्व सीएम अमरिंदर सिंह

नई दिल्ली/ एजेंसी

पंजाब में अगले साल यानी की 2027 में विधानसभा का चुनाव होना है। इससे पहले राज्य में सियासी गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में एक ऐक ऐसी खबर सामने आ रही है, जो चुनावी राज्य में बीजेपी को परेशान कर सकती है। दरअसल, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह को फिर से कांग्रेस में वापसी की अटकलें लगाई जा रही है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने दावा किया है कि अमरिंदर सिंह हमारे संपर्क में हैं।

वह कांग्रेस के सीनियर नेता रह चुके हैं और हमारे वरिष्ठ साथी भी हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह और हुड्डा के बीच दोस्ताना संबंधा है। ऐसे में इस बात की चर्चा है कि हुड्डा ही अमरिंदर सिंह की कांग्रेस में वापसी कराने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा के इस दावे पर पंजाब बीजेपी की ओर से भी प्रतिक्रिया आई है। पंजाब बीजेपी के प्रवक्ता प्रतिपाल सिंह बलियावाल ने कहा है कि संपर्क होना कोई बड़ी बात नहीं है। रणदीप सुरजेवाला और कुमारी शैलजा तो कहती हैं कि हुड्डा किसी के संपर्क में नहीं रहते। हुड्डा ने केवल संपर्क में होने की बात की है, इसके कई मायने नहीं निकाले जाने चाहिए। अमरिंदर सिंह के कांग्रेस में वापसी की चर्चाओं को इस लिए भी हवा मिला, क्योंकि बीजेपी में रहते हुए वह लगातार कांग्रेस की तारीफ कर रहे हैं।

वेनेजुएला की राष्ट्रपति और पीएम मोदी से द्विपक्षीय वार्ता संपन्न

भारत का तीसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बना वेनेजुएला....

नई दिल्ली/ एजेंसी

द्विपक्षीय विकास पर चर्चा करने वेनेजुएला की राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज दिल्ली पहुंचीं। गुरुवार को उन्होंने हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक ऐतिहासिक द्विपक्षीय मुलाकात की। इस अहम बैठक का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंधों को अधिक मजबूत बनाना है। दोनों नेता ऊर्जा और व्यापार जैसे अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। इस महत्वपूर्ण बैठक से पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी राष्ट्रपति रोड्रिगेज से मुलाकात की। उन्होंने भारत और वेनेजुएला की साझेदारी को प्रगाढ़ करने की निरंतर प्रतिबद्धता की बहुत सराहना की। जयशंकर ने विश्वास जताया कि पीएम मोदी के साथ यह बैठक द्विपक्षीय सहयोग को सुदृढ़ करेगी। यह ऐतिहासिक दौरा स्वास्थ्य और निवेश के क्षेत्र में कई नए अवसरों के द्वार खोलने वाला है। भारत और वेनेजुएला के बीच हमेशा से ही ऊर्जा और वैश्विक दक्षिण के प्रति मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। रोड्रिगेज के साथ आया बड़ा प्रतिनिधिमंडल विभिन्न तकनीकी औद्योगिक प्रतिष्ठानों का बहुत बारीकी से दौरा करेगा। इस प्रतिनिधिमंडल में ऊर्जा, दवा और ऑटोमोबाइल क्षेत्रों से जुड़े कई बड़े विशेषज्ञ मुख्य रूप से शामिल हैं। इनका मुख्य उद्देश्य भारत की तकनीकी क्षमताओं को समझना और निवेश के नए अवसर तलाशना है। भारत ऊर्जा क्षेत्र में वेनेजुएला का एक बहुत ही महत्वपूर्ण और काफी पुराना विश्वसनीय साझेदार रहा

है। भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने वहां के ऊर्जा क्षेत्र में पहले से ही उल्लेखनीय निवेश किया है। ये कंपनियां वहां अपनी उपस्थिति को और भी अधिक बढ़ाने की नई संभावनाएं लगातार तलाश रही हैं। इस यात्रा से दोनों देशों के बीच ऊर्जा सुरक्षा को एक नई और स्थायी दिशा प्राप्त होगी। दवा उद्योग और स्वास्थ्य सेवा जैसे मानवीय क्षेत्रों में भी दोनों देश मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध हैं। परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्रों में भी आपसी सहयोग बढ़ाने पर गंभीरता से चर्चा की जा रही है। विदेश मंत्रालय का मानना है कि यह यात्रा द्विपक्षीय साझेदारी को बिल्कुल नई और तेज गति प्रदान करेगी। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत और वेनेजुएला की कूटनीतिक स्थिति काफी ज्यादा मजबूत और सशक्त होगी। भारत लगातार अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूती प्रदान कर रहा है, जिससे वैश्विक दक्षिण को फायदा हो रहा है। वेनेजुएला के साथ यह नई रणनीतिक साझेदारी इस दिशा में एक बहुत ही महत्वपूर्ण और बड़ा कदम है। व्यापार और निवेश को तेजी से बढ़ावा देने से दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को बड़ा आर्थिक फायदा मिलेगा। यह यात्रा भविष्य के एक बहुत ही मजबूत और सुनहरे भारत-वेनेजुएला संबंधों की बहुत ठोस नींव रख रही है।

भारतीय रिफाइनरियों के लिए लाभदायक

वेनेजुएला का कच्चा तेल भारी और उच्च सल्फर युक्त होता है, जिसे प्रोसेस करना चुनौतीपूर्ण माना जाता है। हालांकि, भारत की आधुनिक रिफाइनरियां इसे डीजल, जेट फ्यूल और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों में कुशलतापूर्वक बदल सकती हैं। अपेक्षाकृत कम कीमत के कारण यह भारतीय कंपनियों के लिए आर्थिक रूप से भी फायदेमंद है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि वेनेजुएला भारत का महत्वपूर्ण ऊर्जा साझेदार है। उन्होंने बताया कि भारतीय सरकारी तेल कंपनियों का वहां के ऊर्जा क्षेत्र में निवेश है और भविष्य में निवेश बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार किया जा रहा है। डेल्सी रोड्रिगेज की यह भारत की छठी यात्रा है। इससे पहले वह फरवरी 2025 में उपराष्ट्रपति और तेल मंत्री के रूप में नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया एनर्जी वीक' में शामिल हुई थीं।

नगर मे व्यापारी बंधुओं को आ रही समस्याओं के संबंध मे जनदर्शन में कलेक्टर से मिले चेंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्य, रखी अपनी मांग

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ चेंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज नगर इकाई के अध्यक्ष लक्ष्मी साहू के नेतृत्व मे व्यापारियों ने जनदर्शन मे कलेक्टर कुलदीप शर्मा से मुलाकात कर व्यापार मे आ रही समस्याओं की ओर ध्यानाकर्षण कर अपनी मागे रखी जिनमें मुख्य रूप से बलौदाबाजार नगर मे संचालित व्यवसायिक प्रतिष्ठानों मे हाल फिलहाल मे आगजनी की घटनाएँ हुई हैं जिसमे त्वरित फायर ब्रिगेड की व्यवस्था हो जाने से व्यापारियों को कम नुकसान उठाना पड़ता है, लेकिन फायर स्टेशन नगर से 8 कि.मी. दूर एवं उसके लिए पानी की आपूर्ति 15 कि.मी. दूर से होने के कारण समस्या का सामना करना पड़ा एवं कई गुना सामान की क्षति झेलनी पड़ी। इसके साथ ही बाजार मे चोरी की घटनाओं मे भी बेतहासा वृद्धि हुई है एवं कार्यवाही नही होने या आरोपियों के पकड़ मे ना आने के कारण उनके हौसले बुलंद हैं। बाजार एवं मुख्य मार्ग मे अतिक्रमण के कारण तथा पार्किंग की उचित व्यवस्था उपलब्ध ना होने के कारण लगातार व्यापार प्रभावित हो रहा है। अतः इन समस्याओं से व्यापारियों को छुटकारा दिलाने के लिए छत्तीसगढ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज बलौदाबाजार के सदस्यों द्वारा कुछ मागें महोदय के समक्ष रखी जा रही हैं। फायर स्टेशन बलौदाबाजार नगर क्षेत्र मे स्थापित किया जाए जिससे की आग लगने की स्थिति मे त्वरित पर्याप्त सहायता उपलब्ध हो सके साथ ही नगरपालिका बलौदाबाजार द्वारा आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए तत्काल टैंकर की व्यवस्था की जाए। नगर मे बढ़ते चोरी की घटनाओं पर रोकथाम के लिए सभी चौक चौराहों व्यस्त मार्गो पर प्रशासन द्वारा सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएं बाजार मे रात्रि मे लगातार गश्ती वाहन उपलब्ध कराने के साथ ही मवेशी बाजार भैंसा पसरा, पुराना बस स्टैंड, रामसागर तालाब जैसे संवेदनशील इलाकों मे पुलिस चौकी या बल की व्यवस्था की जाए। बाजार मे पार्किंग व्यवस्था एवं यातायात को दुरुस्त करने के लिए मवेशी बाजार मे हुए बाउंड्रीवाल को पार्किंग जोन बनाया जाए। पूर्व मे सब्जी विक्रेताओं के लिए निर्मित 2 चबूतरे जिसमे शेड लगा हुआ है मे सब्जी विक्रेताओं का व्यवस्थापन। मुख्य मार्ग से ठेले शेड आदि को स्थाई रूप से हटाकर कब्जा मुक्त कर मार्ग के किनारे छोटे वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था की जाए जिससे की ग्राहकों को पार्किंग की समस्या का सामना ना करना पड़े। छत्तीसगढ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज बलौदाबाजार के लिए बाजार के पास मे ही भूमि एवं भवन उपलब्ध कराया जाए जिससे की संगठन को व्यापारी ग्राहकों एवं शासन प्रशासन के मध्य समन्वय बैठाने मे आसानी हो सके। अध्यक्ष लक्ष्मी साहू ने कहा की चेंबर द्वारा पूर्व मे भी राजस्व मंत्री एवं विधायक टंकराम वर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जैन, कलेक्टर दीपक सोनी को चेंबर के पूर्व अध्यक्ष जुगल भट्टर एवं सदस्यों द्वारा जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति मे उक्त समस्याओं से अवगत कराया गया एवं मांग रखी जा चुकी है इसके बाद नई कार्यकारिणी के गठन के पश्चात भी इस संबंध मे ज्ञापन दिया गया और चर्चा की गई लेकिन अभी तक शासन प्रशासन से आश्वासन के अलावा कोई ठोस कदम नही उठाया गया है। व्यापारियों एवं चेंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा शासन प्रशासन को हर संभव मदद और सहयोग समय समय पर किया जाता रहा है। व्यापारियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए उनकी समस्याओं का जल्द से जल्द आपके द्वारा संबंधित विभाग को आदेशित कर समाधान निकाला जाएगा एवं उचित ठोस कदम उठाएंगे। ऐसी उम्मीद है साथ ही थोक व्यापार के लिए जगह उपलब्ध कराने की भी मांग रखी जिससे की बलौदाबाजार के व्यापार को बढ़ाया जा सके। उक्त अवसर पर चेंबर के महामंत्री शिवप्रकाश तिवारी उपाध्यक्ष उमेश अग्रवाल पियूष मिश्रा कोषाध्यक्ष लक्ष्मेंद्र अग्रवाल मुख्य सलाहकार अभिषेक तिवारी एवं शिवम सतीश साहू उपस्थित रहे।

सार्थक ग्रीन धमतरी द्वारा पारंपरिक कुल्हड़ों में लस्सी सेवा, पर्यावरण संरक्षण की प्रेरक पहल

धमतरी। सार्थक ग्रीन धमतरी द्वारा भीषण गर्मी के बीच राहगीरों एवं नागरिकों के लिए पारंपरिक कुल्हड़ों में लस्सी सेवा का आयोजन किया गया। 20 व्यक्तियों के सहयोग से किए गए इस आयोजन का उद्देश्य जनसेवा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना तथा प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली के प्रति जनजागरूकता फैलाना रहा। इस अवसर पर लगभग 200 किलोग्राम दही से तैयार शुद्ध, स्वादिष्ट एवं शीतल लस्सी का वितरण कुल्हड़ों में किया गया, जिससे बड़ी संख्या में राहगीरों एवं नागरिकों ने राहत एवं संतोष व्यक्त किया। यह सेवा दो घंटे से अधिक समय तक निरंतर संचालित रही, जिसमें लगभग 2500 पारंपरिक कुल्हड़ों का उपयोग किया गया। ये कुल्हड़ उत्कृष्ट गुणवत्ता के हैं तथा इन्हें अच्छी तरह साफ करके घरों में कई दिनों तक पुनः उपयोग में लाया जा सकता है, जिससे पर्यावरण संरक्षण को और अधिक बल मिलता है। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सरिता दोशी ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने की प्रेरणा उन्हें पूर्व जिलाधीश नम्रता गांधी के मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन से प्राप्त हुई। साथ ही कार्यक्रम के दौरान उन्होंने उपस्थित सभी नागरिकों एवं सहयोगियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई, जिसमें सभी ने प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, वृक्षारोपण बढ़ाने तथा प्रकृति संरक्षण में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। इस पुनीत मानव सेवा अभियान में सार्थक ग्रीन टीम ने छत्तीसगढ़ माटी कला बोर्ड (छत्तीसगढ़ शासन, ग्रामोद्योग विभाग) द्वारा प्राप्त सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। विशेष रूप से बोर्ड के प्रबंध संचालक जय प्रकाश मौर्य एवं प्रबंधक साकेत कुमार राजपुरिया के प्रति उनके सहयोग, मार्गदर्शन एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पण हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

धमतरी को मिलेगी अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की सौगात, नया जिला अस्पताल जल्द होगा शुरू

धमतरी। जिले के लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी है वर्षों से जिस ट्रॉमा सेंटर और अत्याधुनिक जिला अस्पताल की मांग की जा रही थी वह अब जल्द ही हकीकत बनने जा रहा है अस्पताल भवन पूरी तरह तैयार है आधुनिक मेडिकल उपकरण भी पहुंच चुके हैं इसी क्रम में जिला कलेक्टर ने नए अस्पताल भवन का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। धमतरी को जल्द ही एक अत्याधुनिक जिला अस्पताल की सौगात मिलने वाली है नए अस्पताल भवन में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों जांच कक्षों और चिकित्सा सुविधाओं का अवलोकन किया इस अस्पताल की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि यहां करीब 130 प्रकार की जांचें निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी जहां दिन में लगभग 1000 लोगों तक की जांच की जा सकती है वहीं जांच रिपोर्ट मरीजों को सीधे उनके मोबाइल फोन पर व्हाट्सएप के माध्यम से भेजी जाएगी जिससे उन्हें बार बार अस्पताल के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। कलेक्टर ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा है कि प्रदेश के हर व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचें और इलाज के लिए लोगों को भटकना न पड़े इसी सोच के तहत इस अस्पताल को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है यहां सामान्य बीमारियों के साथ साथ किडनी और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की जांच की सुविधा भी निःशुल्क उपलब्ध होगी। धमतरी का जिला अस्पताल पहले से ही कांकेर और बस्तर जैसे क्षेत्रों के मरीजों के लिए महत्वपूर्ण चिकित्सा केंद्र रहा है नए अस्पताल के शुरू होने के बाद इसकी क्षमता और बढ़ेगी जिससे दूर दराज के क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को बेहतर और समय पर उपचार मिल सकेगा।

ग्राम पंचायत भूमिया में 'सुशासन तिहार' का समापन, मंत्री टंक राम वर्मा ने दी 2 करोड़ के विद्युत सब-स्टेशन की सौगात

तिल्दा-नेवरा। ग्राम पंचायत भूमिया में 'सुशासन तिहार' के पांचवें एवं अंतिम शिविर का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस मेगा शिविर में 17 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण अपनी समस्याओं के निराकरण और मांग पत्र लेकर बड़ी संख्या में पहुंचे।

मंत्री और सांसदों की रही गरिमामयी उपस्थिति

शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व, आपदा पुनर्वास एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य सभा सांसद लक्ष्मी वर्मा उपस्थित रहे, पूर्व जिला महामंत्री अनिल अग्रवाल, जिला पंचायत सभापति शैल महेंद्र साहू, जिला पंचायत सभापति स्वाति वर्मा, जिला पंचायत रायपुर सीईओ कुमार विश्वरंजन, एसडीएम तिल्दा आशुतोष देवांगन, जनपद सीईओ रवि कुमार और भूमिया सरपंच मोहित कुमार यदु सहित 17 पंचायतों के सरपंच व सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

विद्युत सब-स्टेशन की बड़ी घोषणा

शिविर में ग्रामीणों की मांग पर त्वरित संज्ञान लेते हुए मुख्य अतिथि मंत्री टंक राम वर्मा ने ग्राम पंचायत भूमिया में लो-वोल्टेज की समस्या से निजात दिलाने के लिए 2 करोड़ रुपये की लागत से नए विद्युत सब-स्टेशन के निर्माण की घोषणा की, जिससे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

973 आवेदनों में से 165 का मौके पर निराकरण

शिविर में मांग एवं शिकायत के कुल 973 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 165 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। शेष बचे 808 लंबित आवेदनों को आगामी 1 माह के भीतर निराकृत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं।

विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राही लाभान्वित

मंच से अतिथियों द्वारा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत चेक और सामग्रियों का वितरण किया गया। 06 हितग्राहियों को नए आवास की चाबी और प्रमाण पत्र सौंपे गए। 11 'लखपति दीदियों' को प्रमाण पत्र, 07 को स्वीकृति पत्र और 04 महिला सदस्यों को चेक वितरित किए गए। 07 श्रम कार्ड, नोनी सशिक्तीकरण योजना के तहत 20-20 हजार के चेक और मिनी माता महतारी जतन योजना की राशि बांटी गई। 08 आयुष्मान कार्ड, 10 मनरेगा जॉब कार्ड, 10 स्वामित्व कार्ड, 06 राशन कार्ड, 10 को बीज (ढेंचा/मूंग) और समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगों को छड़ी प्रदान की गई।

जिला प्रशासन ने 5 जेसीबी और 32 ट्रैक्टर सहित दस हाईवा पर कार्रवाई

अवैध रेत खदानों पर बड़ी कार्यवाही

धमतरी। धमतरी में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है जिले के अलग अलग रेत खदानों में अवैध रूप से मशीनों से रेत निकालने की शिकायत पर प्रशासन ने छापा मारते हुए पांच जेसीबी और 32 ट्रैक्टर दस हाईवा पर कार्रवाई की है साथ ही एक रेत भंडारण को भी निरस्त किया गया है इस कार्रवाई के बाद रेत माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। जिला प्रशासन को खरेंगा रेत खदान सहित जिले के कई खदानों में नियमों के विपरीत मशीनों से रेत उत्खनन किए जाने की शिकायत मिली थी। शिकायत के बाद प्रशासनिक और खनिज विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की जहां पांच जेसीबी और 32 ट्रैक्टर दस हाईवा अवैध उत्खनन में लगे पाए गए। टीम ने सभी वाहनों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें जब्त कर लिया। इसके अलावा एक रेत भंडारण की अनुमति भी निरस्त कर दी गई। कलेक्टर ने कहा कि जिले में अवैध रूप से रेत उत्खनन परिवहन और भंडारण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी प्रशासन की इस सख्ती के बाद अवैध रेत कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति है।

विश्व शांति का मार्ग प्रशस्त कर सकता है सकारात्मक मीडिया, पत्रकार सम्मान समारोह आज

तिल्दा-नेवरा। हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ तिल्दा के मीडिया प्रभाग द्वारा गुरुवार को सायं 5 बजे से 7 बजे तक पत्रकार सम्मान समारोह एवं विशेष परिचर्चा का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का विषय वैश्विक शांति की आवश्यकता : मीडिया की भूमिका रखा गया है, जिसमें वर्तमान समय में विश्व शांति स्थापित करने में मीडिया की जिम्मेदारियों एवं योगदान पर सार्थक चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र, सुना अस्पताल के पास, खरोरा रोड, तिल्दा में किया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्र के पत्रकारों, मीडिया प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं प्रबुद्ध नागरिकों को आमंत्रित किया गया है। आयोजकों के अनुसार आज विश्व अनेक प्रकार की चुनौतियों, संघर्षों, तनाव और वैचारिक विभाजन से गुजर रहा है। ऐसे समय में मीडिया केवल समाचारों का प्रसार करने वाला माध्यम नहीं, बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा देने वाला एक सशक्त मंच भी है। यदि पत्रकारिता में सकारात्मकता, निष्पक्षता और मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता दी जाए तो वह सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और वैश्विक शांति को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कार्यक्रम में पत्रकार बंधुओं के समाज निर्माण, जनजागरण एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में दिए जा रहे योगदान का सम्मान भी किया जाएगा। साथ ही मीडिया जगत से जुड़े प्रतिनिधियों के बीच रचनात्मक संवाद के माध्यम से यह विचार-विमर्श होगा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता किस प्रकार समाज में शांति, सद्भाव और सकारात्मक परिवर्तन की वाहक बन सकती है। कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्माकुमारीज़ तिल्दा के मीडिया प्रभाग द्वारा किया जा रहा है तथा इसमें तिल्दा-नेवरा नगर पालिका की पार्षद रानी सौरभ जैन का विशेष सहयोग रहेगा। आयोजकों ने सभी पत्रकार बंधुओं एवं जागरूक नागरिकों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर इस महत्वपूर्ण परिचर्चा का लाभ लेने और विश्व शांति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आग्रह किया है।

दर्पण वेलफेयर फाउंडेशन हिरमी द्वारा 50 दिवसीय निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित

तिल्दा नेवरा। दर्पण वेलफेयर फाउंडेशन एवं राजपूत एजुकेशनल इंस्टीट्यूट हिरमी के संयुक्त तत्वावधान में क्षेत्र के स्कूली छात्र छात्राओं के लिए 50 दिनों का ग्रीष्मकालीन निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को कंप्यूटर शिक्षा से जोड़ना तथा डिजिटल तकनीक की जानकारी प्रदान करना है। प्रशिक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षकों द्वारा प्रोजेक्टर एवं टीवी स्क्रीन के माध्यम से प्रायोगिक तरीके से कंप्यूटर की बेसिक जानकारी, टाइपिंग, ड्राइंग सॉफ्टवेयर, डिजिटल शिक्षा एवं अन्य तकनीकी विषयों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें नजदीकी करीब 17 ग्रामों के बच्चे पूरे उत्साह के साथ प्रशिक्षण में भाग लेकर नई तकनीकी जानकारी सीख रहे हैं। संस्था के पदाधिकारियों में तनमय सिंह राजपूत ने बताया कि लगातार विगत पांच वर्षों से ये आयोजन निःशुल्क किया जा रहा हैं इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं स्कूली छात्र छात्राओं को आधुनिक शिक्षा से जोड़कर उन्हें भविष्य के लिए तकनीकी व डिजिटल युग में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाना है। क्षेत्रवासियों ने इस निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए उपयोगी पहल बताया।

जिले के 39 नवीन सहकारी समिति को मिला पीओएस मशीन, खाद वितरण शुरू

बलौदाबाजार। शासन की महत्वपूर्ण किसान हितकारी ग्रामीण सेवा सहकारी समितियों के पुनगर्ठन योजना अंतगत जिले में 39 नवीन ग्रामीण सेवा सहकारी समिति का गठन किया गया है। सभी नवीन 39 सहकारी समितियो को खाद के सुगमतापूर्ण वितरण हेतु पीओएस मशीन प्रदाय किया गया है। पीओएस मशीन उपलब्ध होते ही सभी नवीन समितियों में किसानों को सुगम खाद-बीज़ का वितरण किया जा रहा है। नवीन गठित 39 सहकारी समितियों के 89 पंचायतों में 112 ग्रामो के 43639 किसानो को इससे लाभ हुआ है। किसानों को खेती किसानी के लिये सुगमता पूर्वक त्वरित एवं अपने गृह ग्राम के निकट ही खाद बीज एवं नगद ऋण प्राप्त हो रहा है जिससे किसानो में खुशी व्याप्त है। 39 नवीन समितियों में अभी तक 112 ग्रामों के 43639 किसानों को खाद प्रदाय हेतु 1876 टन का खाद का भंडारण एवं 353 टन खाद का वितरण के साथ कुल 48 करोड 99 लाख का ऋण वितरण किसानो को किया जा चुका है। खरीफ सीजन में जिले के किसानों को आवश्यकता अनुसार सहकारी समितियों से खाद बीज उपलब्ध कराया जा रहा है।

विधवा पेंशन बंद होने से बढ़ी वृद्ध महिलाओं की परेशानी कलेक्टर से लगाई गुहार

धमतरी। धमतरी जिले में विधवा पेंशन नहीं मिलने से वृद्ध महिलाओं की मुश्किलें बढ़ गई हैं कई महीनों से पेंशन राशि नहीं मिलने की शिकायत लेकर महिलाएं कुरूद के भूतपूर्व विधायक लेखराम साहू के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचीं और कलेक्टर से गुहार लगाई महिलाओं का कहना है कि पेंशन नहीं मिलने से दवाई राशन और अन्य जरूरी खर्चों को पूरा करना मुश्किल हो गया है। कलेक्ट्रेट पहुंचे महिलाओं और कांग्रेस नेता ने बताया कि जिले में बड़ी संख्या में विधवा महिलाओं को पिछले कुछ महीनों से पेंशन का भुगतान नहीं हुआ है, इससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं ने प्रशासन से जल्द पेंशन राशि जारी करने की मांग की है वहीं भूतपूर्व विधायक लेखराम साहू ने कहा कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो कांग्रेस आंदोलन और प्रदर्शन करेगी इधर प्रशासन ने मामले का निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को जल्द पेंशन दिलाने का आश्वासन दिया है।

बेलमुंडी सहकारी समिति से 108 किसानों को वितरण किया गया खाद

सरायपाली। खरीफ सीजन को देखते हुए प्रशासन ने किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। सहकारी समितियों एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं के माध्यम से किसानों को यूरिया, डीएपी सहित अन्य रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह द्वारा प्रतिदिन खाद-बीज की उपलब्धता, भंडारण और वितरण की समीक्षा भी की जा रही है। जिला विपणन अधिकारी के अनुसार जिले की 159 सहकारी समितियों में उर्वरकों का पर्याप्त भंडारण किया गया है तथा किसानों की मांग के अनुरूप लगातार वितरण किया जा रहा है। खरीफवर्ष के लिए जिले को 60 हजार 850 टन रासायनिक उर्वरकों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इसके विरुद्ध अब तक 16 हजार 294 टन से अधिक उर्वरकों का भंडारण किया जा चुका है, जो निर्धारित लक्ष्य का लगभग 26.78 प्रतिशत है। वहीं किसानों को अब तक 7 हजार 720 टन उर्वरकों का वितरण किया जा चुका है। भंडारित उर्वरकों में 11 हजार 338 टन यूरिया, 1 हजार 928 टन डीएपी, 449 टन एनपीके तथा 1 हजार 496 टन एसएसपी शामिल हैं। जिले की विभिन्न सहकारी समितियों में किसान नियमित रूप से खाद का उठाव कर रहे हैं। तोरेसिंहा सहकारी समिति बेलमुंडी के अंतर्गत अब तक 108 किसानों को खाद का वितरण किया गया है। गांव के किसान कमलेश ने बताया कि उन्हें आसानी से 8 बोरी यूरिया और 3 बोरी डीएपी प्राप्त हुआ। वहीं किसानों शरद और गुलाल ने भी बताया कि उन्हें बिना किसी परेशानी के डीएपी और यूरिया उपलब्ध हो गया है। कलेक्टर के निर्देश पर कृषि विभाग उर्वरक कंपनियों से अतिरिक्त रैक प्राप्त कर लगातार भंडारण बढ़ा रहा है, ताकि खरीफ सीजन के दौरान किसानों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही समितियों और निजी विक्रेताओं के यहां नियमित निरीक्षण भी कराया जा रहा है। प्रशासन द्वारा खाद की कालाबाजारी, जमाखोरी और अनियमित वितरण पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि किसानों को निर्धारित दर पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराया जाए तथा मांग और आपूर्ति की दैनिक मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत सहकारी समितियों और लाइसेंसधारी विक्रेताओं से ही पॉस मशीन के माध्यम से उर्वरक खरीदें तथा खरीद की रसीद अवश्य प्राप्त करें। किसी भी प्रकार की अनियमितता की जानकारी तत्काल कृषि विभाग को देने की भी अपील की गई।

संक्षिप्त समाचार

भाठागांव में अवैध प्लाटिंग पर निगम की कार्रवाई

रायपुर। रायपुर नगर निगम ने शहर में अवैध प्लाटिंग और अवैध निर्माण के खिलाफकार्रवाई की है। निगम की दो अलग-अलग जोन की टीमों ने भाठागांव और विंध्यनगर इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चला दिया है। निगम जोन-6 की टीम ने वार्ड क्रमांक-61 के भाठागांव स्थित पहलवान वाटिका इलाके में करीब डेढ़ एकड़ जमीन पर की जा रही अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई की है। निगम को बिना अनुमति प्लाटिंग और मुरूम रोड बनाए जाने की सूचना मिली थी। आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर निवेश विभाग की टीम मौके पर पहुंची। जेसीबी की मदद से अवैध मुरूम रोड को काटकर रास्ता बंद किया गया, ताकि प्लाटिंग का काम आगे न बढ़ सके। इस कार्रवाई के दौरान कार्यपालन अभियंता दिनेश सिन्हा, सहायक अभियंता आशीष श्रीवास्तव, उप अभियंता सागर ठाकुर समेत निगम अमला मौजूद रहा। वहीं निगम जोन-1 की टीम ने यतियतनलाल वार्ड क्रमांक-4 के विंध्यनगर इलाके में अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की। यहां चार ब्लॉकों में किए गए निर्माण को तोड़ा गया। जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा के अनुसार, उषा मिश्रा, देवचंद मिश्रा और रानी मिश्रा ने बिना अनुमति निर्माण कराया था। नियमानुसार प्रक्रिया पूरी करने के बाद नगर निवेश विभाग की टीम ने अवैध हिस्सों को ध्वस्त किया है। इस कार्रवाई के दौरान कार्यपालन अभियंता द्रोणी कुमार पैकरा, सहायक अभियंता शरद देशमुख और नगर निवेश विभाग की टीम मौजूद रही। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि, शहर में अवैध प्लाटिंग और बिना अनुमति निर्माण के खिलाफआगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

धमतरी में नशे के कारोबार पर बड़ा वार, 10 प्रकरणों में 10 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। धमतरी में अवैध शराब के कारोबार पर पुलिस ने ऐसा शिकंजा कसा कि जिलेभर में एक साथ हुई ताबड़तोड़ कार्रवाई में 10 प्रकरण दर्ज हुए, 10 आरोपी गिरफ्तार हुए और हजारों रुपये की शराब व नगदी जब्त कर नशे के सौदागरों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया गया। पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार के सख्त निर्देश पर नगरी, कुरूद, भखारा, मगरलोड, सिहावा, करेलीबड़ी और बिरेझर सहित जिले के कई थाना-चौकी क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तीन मामलों में अंजू कुमार नेताम (34) निवासी कमारपारा संबलपुर, धनराज नेताम (20) निवासी अमाली कमारपारा नगरी और खुबलाल निषाद (25) निवासी सेमरा-बी कुरूद को गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से कच्ची महुआ शराब, देशी शराब और बिक्री की नगदी रकम बरामद हुई। तीनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। वहीं धारा 34(1)(ख) और 34(ए) के तहत सात अलग-अलग मामलों में भरतराम साहू, प्रकाश पटेल, योगेश कुर्रे, चन्द्रकुमार कमार, जीवन मरकाम, पंकज कुमार गुप्ता और मुकेश कुमार मानिकपुरी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इनके पास से देशी, अंग्रेजी और कच्ची महुआ शराब के साथ बिक्री से प्राप्त रकम भी जब्त की। पूरे अभियान में कुल 12,320 रुपये की शराब और 2,470 रुपये की नगदी सहित 14,790 रुपये की सामग्री बरामद की गई। धमतरी पुलिस का कहना है कि अवैध शराब, गांजा, जुआ और सट्टे के खिलाफयह अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून तोड़ने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। गौरतलब है कि पिछले 24 घंटों में ही आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के सात प्रकरणों में आठ आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। बहरहाल, धमतरी पुलिस का संदेश साफहै—नशे का कारोबार करने वालों के लिए जिले में अब कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं बचा है।

निर्माणाधीन मकानों में चोरी करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। चांपा पुलिस ने निर्माणाधीन मकानों से बिजली के तार और सीसीटीवी कैमरे चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में दो विधि से संघर्षरत बालकों की भी संलिप्तता सामने आई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 8 किलो जला हुआ कॉपर वायर, बिजली तार, 750 रुपये नकद और तार काटने का कटर बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, कोरवा पारा निवासी सौरव कुमार सराफ ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके निर्माणाधीन मकान में चोरी की घटना हुई है। चौकीदार की सतर्कता के चलते एक आरोपी को मौके पर ही बिजली तार और कटर के साथ पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने पहले भी उसी मकान से करीब 30 हजार रुपये मूल्य के बिजली तार चोरी करना स्वीकार किया। इसी दौरान मारूति टाउनशिप स्थित एक अन्य निर्माणाधीन मकान से सीसीटीवी कैमरा और बिजली तार चोरी होने की शिकायत भी पुलिस को मिली थी। दोनों मामलों की जांच के दौरान पुलिस ने पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की, जिसमें उसने अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी करना कबूल किया। जांच में खुलासा हुआ कि चोरी किए गए बिजली तारों को जलाकर उसमें से निकाले गए कॉपर वायर को बेच दिया जाता था। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर खरीदार को भी गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में कार्तिक दास महंत (23 वर्ष), नारायण चौहान (19 वर्ष) तथा चोरी का माल खरीदने वाला मदन लाल बरेठ (35 वर्ष) शामिल है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अशोक वैष्णव, उपनिरीक्षक सत्यम चौहान सहित थाना चांपा स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

ट्यूबवेल से तांबा वायर चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में रायगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी के मार्गदर्शन में थाना पुसौर पुलिस ने खेतों में लगे ट्यूबवेलों से तांबा केबल वायर चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन चोरों और चोरी का माल खरीदने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तांबा तार, सिल्वर तार, नगदी रकम तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की है। 31 मई 2026 को पुसौर निवासी किसान उमेश साव ने थाना पुसौर में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके खेत में लगे ट्यूबवेल से करीब 50 मीटर तांबा केबल वायर, जिसकी कीमत लगभग 13 हजार रुपये है, अज्ञात चोर काटकर ले गए हैं। शिकायत में यह भी बताया गया कि क्षेत्र के अन्य किसानों के ट्यूबवेलों से भी इसी तरह तांबा वायर चोरी की घटनाएं हो रही हैं। प्रार्थी ने कुछ संदिग्ध व्यक्तियों के फोटोग्राफभी पुलिस को उपलब्ध कराए थे।

सुशासन तिहार-2026

जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान ही सरकार की प्राथमिकता

- ग्राम पंचायत हर्रा टिकरा क्लस्टर के जन समस्या निवारण शिविर में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल हुए शामिल
- समाधान शिविर में प्राप्त हुए 1153 आवेदन, मौके पर ही कई मामलों का हुआ निराकरण

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में संचालित सुशासन तिहार-2026 आम जनता और प्रशासन के बीच विश्वास, संवाद और त्वरित समाधान का सशक्त सेतु बनकर उभर रहा है। इसी कड़ी में सरगुजा जिला के अंबिकापुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत हर्रा टिकरा में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने शामिल होकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया, उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। हर्रा टिकरा क्लस्टर के अंतर्गत आने वाली 27 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों की बड़ी भागीदारी वाले इस शिविर में कुल 1,153 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 1,106 मांग संबंधी तथा 47 शिकायत संबंधी आवेदन शामिल रहे। इनमें से 22 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर शासन की संवेदनशील कार्यप्रणाली का परिचय दिया गया, जबकि शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को निर्धारित समय-सीमा में निराकरण हेतु भेजा गया है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का

निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनके वास्तविक लाभ को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशन में आयोजित सुशासन तिहार शासन की जवाबदेही और जनोन्मुखी कार्यसंस्कृति का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि अब नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं, बल्कि प्रशासन स्वयं गांवों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहा है। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का कोई भी नागरिक अपनी समस्या के समाधान से वंचित न रहे। सुशासन तिहार इसी सोच का परिणाम है, जहां जनप्रतिनिधि और प्रशासन एक मंच पर उपस्थित होकर जनता की मांगों और शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित कर रहे हैं। पेंशन, राशन कार्ड, फौती नामांतरण, सीमांकन जैसे मामलों में तत्काल कार्रवाई की जा रही है और प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध निराकरण हमारी प्राथमिकता है। मंत्री श्री अग्रवाल ने मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में अब तक 69 हजार से अधिक हितग्राही इस योजना से लाभान्वित हो चुके हैं और पात्र शेष उपभोक्ताओं को भी राहत प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अधिकाधिक आवेदन प्रस्तुत कर योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में विद्यालयों के अतिरिक्त भवन निर्माण एवं मरम्मत कार्य के लिए 59 स्कूलों को चिन्हित किया गया है।

सहकारी समितियों से समय पर खाद-बीज मिलने से खेती की तैयारी हुई आसान........

- नैनो उर्वरकों से बढ़ा उत्पादन, समितियों में खाद-बीज का पर्याप्त भंडारण

रायपुर/ संवाददाता

राज्य शासन द्वारा किसानों के हित में संचालित योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव अब गांव-गांव में दिखाई दे रहा है। खेती के लिए आवश्यक संसाधन समय पर उपलब्ध कराने से किसानों में विश्वास और संतोष का वातावरण बना है। कोरबा जिले में सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को खाद एवं बीज की सरल, सहज और सुगम उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है, जिससे वे आगामी खरीफ सीजन की तैयारियां समय पर कर पा रहे हैं। कोरबा जिले के ग्राम छुरीकला के श्री महेंद्र सिंह राजपूत भी सरकार की किसान हितैषी व्यवस्थाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। कृषि उनके परिवार की परंपरागत आजीविका का प्रमुख साधन है। लगभग 15 एकड़ कृषि भूमि के स्वामी श्री राजपूत वर्षों से धान की खेती करते आ रहे हैं। खरीफसीजन की तैयारियों के लिए वे सहकारी समिति छुरीकला पहुंचे, जहां उन्हें आवश्यक खाद एवं बीज आसानी से उपलब्ध हो गया। श्री महेंद्र सिंह राजपूत बताते हैं कि खेती का मौसम शुरू होते ही किसान कृषि कार्यों की तैयारियों में जुट जाते हैं। ऐसे समय में खाद और बीज की समय पर उपलब्धता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि सहकारी समिति में खाद

और बीज का पर्याप्त भंडारण किया गया है तथा किसानों को व्यवस्थित रूप से सामग्री वितरित की जा रही है। इससे किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। वे बताते हैं कि उन्होंने अपने खेतों में नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का उपयोग किया है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इन उर्वरकों के उपयोग से फसल की वृद्धि बेहतर हुई है तथा उत्पादन में भी सुधार देखने को मिला है। साथ ही रासायनिक उर्वरकों की तुलना में नैनो उर्वरकों के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। श्री राजपूत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बेहतर व्यवस्थाएं की गई हैं। खाद-बीज की उपलब्धता, कृषि आदानों का सुचारू वितरण तथा किसानों के हित में संचालित योजनाओं से खेती करना पहले की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक हुआ है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार के प्रयासों से किसानों को खेती-किसानी में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास मिला है। किसानों को समय पर कृषि आदान उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे।

मत्स्य पालकों को मिली नई उड़ान आजीविका सशक्त बनाने मुख्यमंत्री ने वितरित की आधुनिक सामग्री

- मोटर साइकिल, आइस बॉक्स और मछली जाल से बढ़ेगा कारोबार, आय में होगी वृद्धि'

रायपुर/ संवाददाता

सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सोमवार को कोंडागांव जिले के ग्राम पंचायत बड़ेकनेरा में आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए। इस अवसर पर मत्स्य पालन विभाग द्वारा जिले के मत्स्य पालकों एवं मत्स्य व्यवसाय से जुड़े हितग्राहियों को आजीविका संवर्धन के लिए विभिन्न आधुनिक उपकरण एवं सामग्री प्रदान की गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्राम मालाकोट के श्री कमल सिंह नेताम एवं ग्राम जोबा के श्री नरेंद्र कश्यप को मोटर साइकिल और आइस बॉक्स प्रदान किए। इन संसाधनों के माध्यम से अब दोनों हितग्राही अपनी मछलियों को सुरक्षित तरीके से दूरस्थ बाजारों तक पहुंचा सकेंगे, जिससे उनके व्यवसाय को नई गति मिलेगी। हितग्राहियों ने बताया कि पहले मछलियों के परिवहन और संरक्षण में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। आइस बॉक्स उपलब्ध होने से अब मछलियों की गुणवत्ता लंबे समय तक सुरक्षित रहेगी और उन्हें बाजार में बेहतर मूल्य प्राप्त होगा। वहीं मोटर साइकिल मिलने से परिवहन आसान होने के साथ-साथ समय और लागत की भी बचत होगी। कार्यक्रम में ग्राम बड़ेकनेरा के श्री ललित बघेल एवं श्री रामलाल नेताम को मछली पकड़ने के लिए आधुनिक जाल वितरित किए गए। हितग्राहियों ने बताया कि नए जाल मिलने से मत्स्य उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिलेगी तथा व्यवसाय को और अधिक व्यवस्थित एवं लाभकारी बनाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार पारंपरिक व्यवसायों को आधुनिक संसाधनों से जोड़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मत्स्य पालन आज ग्रामीण क्षेत्रों में आय का महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभर रहा है और सरकार इस क्षेत्र से जुड़े हितग्राहियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य केवल सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि लोगों को आत्मनिर्भर बनाकर उनकी आय और जीवन स्तर में स्थायी सुधार लाना है। हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं मत्स्य पालन विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन से प्राप्त यह सहयोग उनके व्यवसाय के विस्तार और आर्थिक उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

नैनो उर्वरकों ने बदली खेती की दिशा कम लागत,बेहतर फसल और बढ़ता मुनाफा.....

रायपुर/ संवाददाता

बेमेतरा जिले के नवागढ़ विकासखंड के छोटे से गांव सोनकापारा में रहने वाले प्रगतिशील किसान छत्रदास कुर्रे आज आसपास के किसानों के लिए प्रेरणा बन गए हैं। खेती में नई तकनीकों को अपनाने की उनकी सोच ने न केवल उनकी फसल की गुणवत्ता सुधारी है, बल्कि खेती को अधिक लाभकारी भी बना दिया है। छत्रदास कुर्रे बताते हैं कि उन्होंने पारंपरिक उर्वरकों के साथ नैनो डीएपी और नैनो यूरिया का संतुलित उपयोग किया। शुरुआत में उन्हें इस नई तकनीक को लेकर कुछ संदेह था, लेकिन फसल के बढ़ते हुए पौधों ने जल्द ही उनके सभी सवालों का जवाब दे दिया। खेत में फसल की बढ़वार पहले की

तुलना में बेहतर रही, पौधे अधिक हरे-भरे और मजबूत दिखाई दिए तथा उत्पादन में भी सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। नैनो उर्वरकों का सबसे बड़ा लाभ यह रहा कि कम मात्रा में उपयोग करने पर भी फसल को आवश्यक पोषक तत्व प्रभावी ढंग से प्राप्त हुए। इससे उर्वरकों पर होने वाला खर्च कम हुआ और खेती की कुल लागत में कमी आई। परिणामस्वरूप खेती से होने वाला लाभ बढ़ा और आर्थिक रूप से भी उन्हें फायदा मिला। छत्रदास का अनुभव केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है। उनका मानना है कि नैनो उर्वरकों के उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। साथ ही, कम मात्रा में उर्वरक उपयोग होने से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी यह एक महत्वपूर्ण कदम है। वे अन्य किसानों को भी आधुनिक कृषि तकनीकों और संतुलित पोषण प्रबंधन अपनाने की सलाह देते हैं। उनका कहना है कि बदलते समय में खेती को लाभकारी बनाने के लिए नई तकनीकों को समझना और उनका विवेकपूर्ण उपयोग करना आवश्यक है। कृषि विशेषज्ञ भी मानते हैं कि नैनो डीएपी और नैनो यूरिया जैसे उर्वरक पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ाने, उर्वरक उपयोग दक्षता में सुधार लाने तथा लागत को नियंत्रित करने में सहायक साबित हो रहे हैं।

3.7 किलो गांजा के साथ महिला गिरफ्तार

रायपुर। नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन निश्चय के तहत तिल्दा नेवरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला को अवैध गांजा रखने और बिक्री करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से लाखों रुपये मूल्य का गांजा, गोगो कोन और इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद किया है। पुलिस को गोपनीय सूचना मिली थी कि तिल्दा स्थित पटवारी कार्यालय के पास चाय-नाश्ते का ठेला संचालित करने वाली एक महिला अपने ठेले में अवैध रूप से गांजा रखकर बिक्री कर रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर मौके पर दबिश दी,तलाशी के दौरान महिला के पास रखे एक थैले से 3 किलो 737 ग्राम गांजा, 33 नग गोगो कोन तथा एक बैटरी चालित इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद किया गया।

गोपालपुर समाधान शिविर में पहुंचे प्रभारी मंत्री लखन लाल देवांगन

17 पंचायतों के ग्रामीणों को मिला योजनाओं का लाभ-मंत्री देवांगन

- 100 से अधिक हितग्राहियों को राशन कार्ड, आवास की चाबी, बीज, सुपोषण किट, श्रवण यंत्र व अन्य सामग्री का वितरण
- स्वास्थ्य शिविर में 142 मरीजों का उपचार, 112 आभा आईडी एवं 22 आयुष्मान कार्ड बनाए गए

रायपुर/ संवाददाता

सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत खैरागढ़ जिले के विकासखंड छुईखदान की ग्राम पंचायत गोपालपुर में आयोजित समाधान शिविर में वाणिज्य, उद्योग तथा श्रम एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन लाल देवांगन शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण कर आवेदनों के निराकरण की समीक्षा की तथा अधिकारियों को त्वरित एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं गरीब, किसान, श्रमिक और आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आवास, सड़क, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा एवं आधारभूत संरचना के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में प्रारंभ की गई योजनाओं ने विकास और जनकल्याण को नई दिशा दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान राज्य सरकार किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी, बकाया

बोनस वितरण, तेंदूपत्ता संग्राहकों को बढ़ा हुआ पारिश्रमिक तथा रामलला दर्शन योजना जैसे वादों को पूरा कर रही है। श्री देवांगन ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और प्रशासन को सीधे जनता तक पहुंचाना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। शिविरों के माध्यम से लोगों को योजनाओं की जानकारी और लाभ प्रदान किए जा रहे हैं तथा प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय स्वयं प्रदेशभर में भ्रमण कर जनसमस्याओं की जानकारी ले रहे हैं और उनके समाधान के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार आने वाले समय में भी जनहित और विकास के कार्यों को इसी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाती रहेगी। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका खम्हन ताम्रकार ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों तक शासकीय योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंच रहा है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री विक्रांत सिंह ने कहा कि इस पहल से ग्रामीणों की मांगों एवं समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित हो रहा है। कलेक्टर श्री इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने बताया कि सुशासन तिहार-2026 के तहत जिले में अब तक लगभग 22 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 70 प्रतिशत से अधिक का निराकरण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि नवगठित जिले में सीमित संसाधनों के बावजूद प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों, मीडिया एवं आमजन के सहयोग से कार्यक्रम का सफल आयोजन संभव हो पाया है। शिविर में 17 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने भाग लिया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 5 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास की चाबी प्रदान की गई। शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र, मोमेंटो, पुस्तकें एवं गणवेश वितरित किए। कृषि विभाग ने 5 किसानों को मूंग बीज तथा उद्यानिकी विभाग ने 5 हितग्राहियों को सब्जी मिनी किट प्रदान की।

संपादकीय

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला और लोकतंत्र की असली परीक्षा

शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में यह भी कहा कि मतदाता सूची से नाम हटाना इस बात की कानूनी घोषणा नहीं है कि कोई व्यक्ति इस देश का नागरिक नहीं है। इससे उन लोगों को निश्चित तौर पर राहत मिली है।लोकतंत्र में किसी भी चुनाव की शुचिता इस बात पर निर्भर करती है कि जनप्रतिनिधि के चयन की प्रक्रिया कितनी संवैधानिक, निष्पक्ष और पारदर्शी है। यह तभी सुनिश्चित हो पाता है, जब मतदाता चुनाव में मतदान की वास्तविक पात्रता रखते हों और तमाम चुनावी कार्य स्वतंत्र तरीके से संपन्न कराए जाएं।इसकी जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की होती है और वह समय-समय पर मतदाता सूची में संशोधन करता रहता है, ताकि जो व्यक्ति मतदान के लिए पात्र नहीं है या जिनका निधन हो चुका है, उनके नाम सूची से हटा दिए जाएं। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर भी इसी प्रक्रिया का हिस्सा है, मगर इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि कुछ राज्यों में पिछले दिनों इसे लेकर कई तरह के विवाद खड़े हो गए।यहां तक कि इसके औचित्य पर भी सवाल उठाए गए। इस पर सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को अपने फैसले में कहा कि निर्वाचन आयोग को एसआइआर कराने का पूरा अधिकार है और यह प्रक्रिया निष्पक्ष चुनावों के संवैधानिक दायित्व में जान फूंकती है। स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से चुनाव की अनिवार्यता को आगे बढ़ाने में यह महत्वपूर्ण कड़ी है।गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव से पूर्व राज्य में शुरू किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सबसे पहले सवाल उठे थे। विपक्षी दलों ने इस प्रक्रिया के समय को लेकर प्रश्न उठाया था। उनका कहना था कि चुनाव से ठीक पहले ही यह प्रक्रिया क्यों शुरू की गई, जबकि निर्वाचन आयोग इसे एक साल पूर्व भी करवा सकता था। इसके बाद आधार कार्ड को नागरिकता का प्रमाणपत्र स्वीकार नहीं करने को लेकर भी विवाद हुआ, जो सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और अंततः निर्वाचन आयोग को इस मामले में अपने कदम पीछे खींचने पड़े।इसके बाद सवालों का यह सिलसिला उत्तर प्रदेश से होते हुए पश्चिम बंगाल तक पहुंचा और शीर्ष अदालत को फिर इसमें दखल देना पड़ा। बिहार में एसआइआर को चुनौती देने वाली कई याचिकाएं दायर की गई थीं, जिनका निपटारा करते हुए न्यायालय ने कहा कि निर्वाचन आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए) की धारा 21(3) के तहत विशेष पुनरीक्षण करने का अधिकार प्राप्त है।शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में यह भी कहा कि मतदाता सूची से नाम हटाना इस बात की कानूनी घोषणा नहीं है कि कोई व्यक्ति इस देश का नागरिक नहीं है। इससे उन लोगों को निश्चित तौर पर राहत मिली है, जिनके नाम तकनीकी कारणों से मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं और अब उन्हें इस बात की चिंता सताने लगी है कि कहीं आगे चलकर उनकी नागरिकता खतरे में न पड़ जाए। यह बात सच है कि चुनावों की शुचिता को बरकरार रखने के लिए मतदाता सूची में संशोधन जरूरी है, लेकिन कोई पात्र व्यक्ति तकनीकी कारणों से मताधिकार से वंचित न हो, इसकी जिम्मेदारी भी निर्वाचन आयोग की ही है।पिछले दिनों बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों में जिस तरह से लाखों लोग मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के बाद मतदान नहीं कर पाए, वह वास्तव में चिंताजनक है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं रह गई है, बल्कि वह मानव सभ्यता के भविष्य का निर्णायक मोड़ बनती जा रही है। जिस गति से यह तकनीक विकसित हुई है, उसने दुनिया को आश्चर्यचकित भी किया है और चिंतित भी। अभी तक विज्ञान और तकनीक मनुष्य के हाथों में उपकरण थे, किंतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता पहली ऐसी शक्ति है जो निर्णय लेने, सीखने, विश्लेषण करने और सृजन करने की क्षमता के साथ स्वयं को निरंतर विकसित कर रही है। यही कारण है कि विश्व के प्रमुख धर्मगुरु, वैज्ञानिक और नीति-निर्माता इसके खतरों को लेकर गंभीर चेतावनियां दे रहे हैं।

क्या एआई मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी?

(ललित गर्ग)

निश्चित रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, बैंकिंग, व्यापार, प्रशासन और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। रोगों के निदान से लेकर वित्तीय प्रबंधन तक और शिक्षा से लेकर अनुसंधान तक, इसकी उपयोगिता निर्विवाद है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ संकट भी लाती है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं रह गई है, बल्कि वह मानव सभ्यता के भविष्य का निर्णायक मोड़ बनती जा रही है। जिस गति से यह तकनीक विकसित हुई है, उसने दुनिया को आश्चर्यचकित भी किया है और चिंतित भी। अभी तक विज्ञान और तकनीक मनुष्य के हाथों में उपकरण थे, किंतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता पहली ऐसी शक्ति है जो निर्णय लेने, सीखने, विश्लेषण करने और सृजन करने की क्षमता के साथ स्वयं को निरंतर विकसित कर रही है। यही कारण है कि विश्व के प्रमुख धर्मगुरु, वैज्ञानिक और नीति-निर्माता इसके खतरों को लेकर गंभीर चेतावनियां दे रहे हैं। हाल ही में वर्तमान पोप लियो चौदहवें द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में व्यक्त की गई चिंताएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युद्ध को नैतिक नहीं बनाया जा सकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणाली मानवता के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टि नहीं, बल्कि मानवीय अस्तित्व की रक्षा का प्रश्न है। दुनिया को इसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता है।

पोप ने सामाजिक और वैश्विक मुद्दों पर जारी अपने आधिकारिक संदेश में एआई को मानवता के समक्ष उभरती सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बताया। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी परिवर्तन का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह युद्ध, राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने वाली शक्ति बनती जा रही है। उन्होंने दुनिया को चेताया कि तकनीक का उद्देश्य मनुष्य पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, बल्कि उसकी सेवा करना होना चाहिए। उनका संदेश मानव-केंद्रित विकास की अवधारणा को बल देता है, जिसमें विज्ञान और तकनीक को नैतिकता, मानवीय गरिमा और करुणा के अधीन रखा जाए। पोप की यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टिकोण नहीं है, बल्कि एक वैश्विक मानवीय आह्वान है कि एआई की अंधी दौड़ में मानवता, संवेदना और नैतिकता का क्षरण न होने दिया जाए। आज जब महाशक्तियां एआई के माध्यम से प्रभाव और नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा में लगी हैं, तब पोप का यह संदेश विश्व समुदाय को संयम, उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है।

पोप ने स्पष्ट कहा कि कोई भी एल्गोरिद्म युद्ध को नैतिक नहीं बना सकता और तकनीक को मानव विवेक का विकल्प नहीं बनने दिया जा सकता। पोप ने चर्च के सामाजिक सरोकारों से जुड़े अपने इस आधिकारिक पत्र में पहली बार एआई को प्रमुख विषय बनाया, जो इस बात का संकेत है कि इसका प्रभाव केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मानव जीवन, समाज और वैश्विक व्यवस्था को व्यापक रूप से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से एआई आधारित स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इस तकनीक को पूर्णतः मानवीय नियंत्रण में नहीं रखा गया तो यह युद्ध, शोषण और दासता के नए रूपों को जन्म दे सकती है। पोप ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को निरस्त्र

करने का आह्वान करते हुए उसका आशय तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि उसके अनियंत्रित और अमानवीय उपयोग पर रोक लगाना बताया। उनका कहना था कि युद्ध और शांति से जुड़े निर्णय अंततः नैतिकता, करुणा और विवेक पर आधारित होने चाहिए, उन्हें मशीनों के हवाले नहीं किया जा सकता। आज जब अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हैं और युद्ध तकनीकों में इसका उपयोग बढ़ रहा है, तब पोप का यह संदेश मानवता के लिए एक नैतिक दिशा-सूचक के रूप में सामने आया है कि तकनीक मनुष्य की सेवक बने, स्वामी नहीं; और विकास का केंद्र मानव गरिमा, संवेदना तथा विश्वशांति ही रहे।

निश्चित रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, बैंकिंग, व्यापार, प्रशासन और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। रोगों के निदान से लेकर वित्तीय प्रबंधन तक और शिक्षा से लेकर अनुसंधान तक, इसकी उपयोगिता निर्विवाद है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ संकट भी लाती है। आज वही संकट स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सबसे बड़ा संकट रोजगार का है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने लाखों लोगों के कार्यों को प्रतिस्थापित करना शुरू कर दिया है। ग्राहक सेवा, लेखन, अनुवाद, लेखांकन, सूचना प्रबंधन, प्रोग्रामिंग और कार्यालयी कार्यों में मनुष्य की आवश्यकता तेजी से घट रही है। मशीनें कम लागत, अधिक गति और निरंतर कार्य क्षमता के कारण मनुष्य का स्थान ले रही हैं। इससे केवल बेरोजगारी नहीं बढ़ेगी, बल्कि सामाजिक असंतुलन और आर्थिक विषमता भी गहराएगी। जिन देशों और कंपनियों के पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नियंत्रण होगा, आर्थिक शक्ति भी उन्हीं के हाथों में केंद्रित हो जाएगी। इससे विश्व व्यवस्था में असमानता का नया स्वरूप उभरेगा।

इससे भी अधिक गंभीर प्रश्न वैश्विक सुरक्षा का है। आज अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हुई हैं। यह प्रतिस्पर्धा केवल तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक प्रभुत्व का नया संघर्ष बन चुकी है। जैसे कभी परमाणु हथियारों और घातक अस्त्र-शस्त्रों के माध्यम से शक्ति संतुलन स्थापित हुआ था, वैसे ही अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य की सामरिक शक्ति बन रही है। स्वायत्त हथियार प्रणाली, बुद्धिमान ड्रोन और बिना मानवीय हस्तक्षेप के निर्णय लेने वाली युद्ध तकनीकें मानवता के लिए भयावह संकेत हैं। यदि युद्ध का निर्णय मशीनों के हाथों में चला गया तो संवेदना, विवेक और नैतिकता समाप्त हो जाएगी। मशीनों के लिए मानव जीवन केवल आंकड़े होंगे। ऐसी स्थिति महाविनाश की संभावना को जन्म दे सकती है। पोप की यह चेतावनी इसी संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है कि युद्ध का अंतिम निर्णय मानव विवेक के अधीन रहना चाहिए।

साइबर सुरक्षा भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण नई चुनौतियों से घिर गई है। बैंकिंग व्यवस्था, विद्युत तंत्र, रक्षा नेटवर्क और संचार प्रणाली आज डिजिटल माध्यमों पर निर्भर हैं। एआई आधारित साइबर हमले किसी भी राष्ट्र को कुछ घंटों में अस्थिर कर सकते हैं। झूठे संदेश, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम चित्र और आवाजों के माध्यम से सामाजिक तनाव उत्पन्न किए जा सकते हैं। सत्य और असत्य का अंतर मिटने लगा है। यह सूचना तंत्र और लोकतंत्र दोनों के लिए गंभीर संकट है। एआई का एक और चिंताजनक पक्ष है-मानवीय नियंत्रण का कमजोर पड़ना। वैज्ञानिक समुदाय का एक वर्ग मानता है कि भविष्य में ऐसी बुद्धिमत्ता विकसित हो सकती है जो मनुष्य की क्षमता से कई गुना आगे निकल जाए। यदि ऐसा हुआ तो नियंत्रण का प्रश्न सबसे बड़ा संकट बनेगा। यह केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व का प्रश्न होगा।

भारत के लिए यह विषय और अधिक महत्वपूर्ण है। भारत युवा शक्ति, विशाल जनसंख्या और तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था वाला देश है। यदि एआई को बिना स्पष्ट नीति और नियंत्रण के बढ़ने दिया गया तो रोजगार, शिक्षा और सामाजिक संरचना पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। भारत को विकास और नियंत्रण दोनों के बीच संतुलन बनाना होगा। एआई को रोकना समाधान नहीं है, लेकिन इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के अधीन रखना अनिवार्य है। भारत को ऐसी राष्ट्रीय नीति बनानी होगी जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग मानव कल्याण, शिक्षा, चिकित्सा और आर्थिक विकास के लिए हो, लेकिन रोजगार संरक्षण, डेटा सुरक्षा, नैतिक मानदंड और युद्ध नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। साथ ही वैश्विक स्तर पर भी एआई के उपयोग हेतु साझा नियम और अंतरराष्ट्रीय संधियां आवश्यक हैं।

आज सबसे बड़ा प्रश्न तकनीक का नहीं, मानवता का है। क्या मनुष्य अपनी बनाई हुई शक्ति पर नियंत्रण बनाए रख सकेगा? क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को समृद्ध बनाएगी या उसे नियंत्रित करेगी? क्या विकास संवेदनाओं से बड़ा हो जाएगा? क्या एआई रूपी विस्फोट मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी? यही वे प्रश्न हैं जिन पर दुनिया को गंभीर चिंतन करना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दिशा यदि मानवता केंद्रित रही तो यह सभ्यता को नई ऊंचाइयां दे सकती है, लेकिन यदि यह शक्ति नियंत्रण और नैतिकता से मुक्त हो गई तो यह मानव इतिहास के सबसे बड़े संकट एवं महाविनाश का कारण भी बन सकती है। इसलिए आज आवश्यकता तकनीकी प्रगति की नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण प्रगति की है-जहां मशीनें विकसित हों, किंतु मानवता सर्वोच्च बनी रहे। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

शब्द बहुत हैं, मगर भावनाएं कम पड़ गई हैं, संवेदनाओं के शहर में अकेला होता मनुष्य

(शोभा जैन)

संतोष और प्रतिरोध समाज में स्वत-साथ चलने वाला अयाचित भाव है। ऐसे में भावनाओं का आहत होना भी एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। भावनात्मक अनुपस्थिति हमेशा शारीरिक अनुपस्थिति नहीं होती, लेकिन वह शारीरिक से कहीं अधिक गहरी और निपुण होती है। हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में कई बार ऐसे क्षण आते हैं, जब हम बिना किसी रिश्ते, परिचय या पहचान के भी कुछ दृश्य देखकर भावुक हो जाते हैं।

वे दृश्य भले ही सड़क पर निकलती किसी की शव यात्रा का हो, किसी बच्चे का गुब्बारा न खरीद पाने का रुदन या चिलचिलाती धूप में सड़क किनारे नंगे पैर घूमते मासूम बच्चे, जो किसी चमचमाती कार का कांच अचानक साफ करने लगते हैं। भावुक व्यक्ति कभी सुविधा से चयन करने वाला नहीं होता, वह सूखी नदी या बंजर खेत देखकर भी उतना ही दुखी हो सकता है, जितना गर्मी के दिनों में दो-दिन घर में पानी न आने पर। भावनात्मक होना एक शुद्ध व्यक्ति की पहचान है, इसलिए भावना के हर शब्द नवजात होते हैं। नवजात का हृदय निश्छल पवित्र होता है।

बात छोटी-बड़ी नहीं होती हैं, भावनाएं छोटी-बड़ी होती हैं

हमारे सामूहिक मानस में स्वीकार्य यथार्थ होना तो भावनात्मक स्तर का होना चाहिए, लेकिन इसके उलट अब स्वीकार्य यथार्थ से भावनाओं का दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं होता। कहने का आशय यह कि बात छोटी या बड़ी नहीं होती। छोटी या बड़ी होती है भावना। शब्द सामने आ जाते हैं, भावना पीछे रह जाती है। इसीलिए दुनिया में शब्दों की लड़ाई चलती है। याद रखना होगा कि भावना का हर तत्व नवजात है। वह कभी पुनरावृत्ति में जन्म नहीं लेती। भाव एक अचेतन तीव्रता का अनुभव है। हालांकि भावना और प्रभाव का प्रयोग अक्सर एक-दूसरे के स्थान पर किया जाता है, लेकिन प्रभाव को भावनाओं और संवेगों से भ्रमित न करना महत्वपूर्ण है।

आज लोगों की भावना सुविधा के मुताबिक हो गई है। वे सड़क पर घुमाते अपने कुत्ते के लिए तो संवेदनशील होते हैं, भावनात्मक भी, लेकिन दूसरों के बच्चों या सड़क के अन्य जीव के प्रति उनकी कोई प्रतिक्रिया भावनात्मक स्तर पर सतही नजर आती है। हम बात भावनाओं की कर रहे हैं, लेकिन अब जो शब्द खबरों और बातचीत में गूंजते हैं- बलात्कार, हत्या, जनसंहार, आत्महत्या, भीड़-हत्या, दहेज हत्या, बाल शोषण, मानव तस्करी, आतंकवाद, अपहरण आदि, वे हमारी भावनाओं को कितना आहत करते हैं? घटनाओं का अतिरेक हमारी भावनाओं को शोर में तब्दील कर रहा है, इसलिए हम दोनों के अंतर को समझना भी भूल रहे।

हम अपने मानस में बहुत कुछ ऐसा स्वीकारने के आदी हो चले हैं, जो मनुष्य होने पर भी संशय करता है। स्वीकार्यता में भावनात्मक अभिव्यक्ति कितनी होगी, यह विचारणीय है। भावना किसी अनुभूति का प्रकटीकरण या प्रदर्शन है। हम अपनी भावनाओं को दुनिया के सामने प्रकट करते हैं। कभी-कभी यह प्रकटीकरण हमारी आंतरिक स्थिति की अभिव्यक्ति होती है और कभी-कभी सामाजिक अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए बनावटी होती है। भाव की संप्रेषणीयता ही इसे एक शक्तिशाली सामाजिक शक्ति बनाती है। एक व्यक्ति की भावनाएं दूसरे की भावनाएं बन जाए, यह बहुत हद तक संभव नहीं, लेकिन एक की भावनाएं दूसरे तक पहुंचती जरूर हैं। समाज इसी समझ से संवेदन-तत्त्व को स्पर्श करता है।

जीवन में बढ़ते हुए दो शब्द और जुड़ते हैं। आशावाद कह लें या आदर्शीकरण- यही वह प्राणतत्त्व है, जो मनुष्य के स्थिर यथार्थ के भीतर रोम छिद्रों की तरह मौजूद गतिशील, परिवर्तनशील स्वरूप से जोड़ता है और इस प्रकार उसके उन्नत पक्ष को विस्तार देता है। मगर इसके केंद्र में उसकी भावनाएं निहित हैं। संवेदना, कल्पना, दृष्टि, बोध, तड़प, बेचैनी, निराशा-उम्मीद और व्यग्रता- ये सभी भावनाओं को आकार देने वाले संसाधन हैं। वयस्क लोगों के जीवन में भावनाएं कितने सार्थक रूप से काम करती रहती हैं! यहां तक कि उनके द्वारा अपनी भावनाओं पर कुछ हद तक सचेत नियंत्रण का प्रभाव भी रहता है। एक शिशु में संवेदनाओं को समझने के लिए भाषा कौशल नहीं होते, न ही उसके पास पिछले अनुभवों का कोई इतिहास होता है, फिर भी वह भावनाएं अभिव्यक्त करता है और उसकी भावनाएं पहुंचती हैं।

सच तो यह है कि शब्द जब मुड़कर अपनी तरफ देखता है, तो विचार बन जाता है। उस विचार की भावनाओं को हम उसकी नैसर्गिक क्रांति में देख पाते हैं। साहित्य सृजन की किसी भी विधा में उसकी नैसर्गिक क्रांति में देख पाते हैं। भावनाएं या तो नैतिक तनाव में आकार लेती हैं या बहुत संवेदनशील क्षण में, जहां व्यक्ति अपनी चुप्पी और बोलने की विवशता के बीच खड़ा दिखाई देता है। भावनाओं के निश्छल प्रवाह में आवेग हो, तो धाराओं का और संयम हो, तो तटों का। व्यक्ति की पीड़ा और आकांक्षा, किसी भी सर्जक की निजी न होकर एक बड़े सांस्कृतिक आख्यान का हिस्सा बन जाती है। व्यक्ति किसी भव्य अतीत को स्मृति में स्वयं को बसाए या अपने विराट वर्तमान की खोह में, बिना भावनाओं के वह मनुष्य नहीं है।

देश व समाज हित में डीजल व पेट्रोल की बचत के साथ-साथ स्थाई सादगी समय की मांग!

अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते जिस समय पूरे विश्व के सामने ऊर्जा संकट व मंहगाई सुरसा राक्षसी की तरह मूंह खोलकर के देश की दौलत को निगलने के लिए खड़ी है, उस दौर में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डीजल व पेट्रोल को बचाने व सोना ना खरीदने की सभी देशवासियों से अपील की है, क्योंकि मोदी की इस अपील पर अमल करने से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ने वाला बोझ कम से कम कुछ तो कम होगा, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को बेहतर होने का अवसर भी मिलेगा।

(दीपक कुमार त्यागी)

वैसे तो देशभर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद से ही यह मुहिम धरातल पर धीरे-धीरे रंग लाती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद से ही भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से लेकर के आम कार्यकर्ताओं तक ने सर्वप्रथम बड़े पैमाने पर इस मुहिम में शामिल होकर के इसको एक आंदोलन का रूप देने का कार्य किया।

अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते जिस समय पूरे विश्व के सामने ऊर्जा संकट व मंहगाई सुरसा राक्षसी की तरह मूंह खोलकर के देश की दौलत को निगलने के लिए खड़ी है, उस दौर में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डीजल व पेट्रोल को बचाने व सोना ना खरीदने की सभी देशवासियों से अपील की है, क्योंकि मोदी की इस अपील पर अमल करने से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ने वाला बोझ कम से कम कुछ तो कम होगा, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को बेहतर होने का अवसर भी मिलेगा। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी की इस अपील के बाद से ही देश के विभिन्न हिस्सों में मोदी के द्वारा चलाई जा रही इस राष्ट्रहित की मुहिम में शामिल होने की होड़ लग गई है। हालांकि अभी तो अधिकतर लोग सांकेतिक रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस मुहिम में ज्यादा जुड़ रहे हैं, लेकिन सांकेतिक ही सही एक बहुत अच्छी पहल में कम से कम लोगों के जुड़ने की शुरुआत तो हुई और आने वाले दिनों में उम्मीद है कि इस पहल पर बड़े पैमाने पर आम लोग भी अमल करेंगे।

वैसे तो देशभर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद से ही यह मुहिम धरातल पर धीरे-धीरे रंग लाती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद से ही भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से लेकर के आम कार्यकर्ताओं तक ने सर्वप्रथम बड़े पैमाने पर इस मुहिम में शामिल होकर के इसको एक आंदोलन का रूप देने का कार्य किया। जिसके बाद से ही देश भर में ज्यूडिशियरी, शीर्ष नौकरशाह, कर्मचारी व आम जनमानस तक भी मोदी की इस मुहिम में अब बड़े पैमाने पर शामिल होते हुए नज़र आ रहे हैं। शासन-प्रशासन के शीर्ष स्तर पर काबिज बैठे हुए ताकतवर लोगों में देश भर में वाहनों के लंबे-चौड़े काफिले का त्याग करने की फिलहाल तो एक होड़ लगी हुई है। हालांकि उन लोगों का यह कदम वास्तव में दिल से खर्चों में कटौती करते हुए जीवन में सादगी अपनाने की धरातल पर एक स्थाई पहल है या सिर्फ मीडिया व सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर अपनी कुछ पोस्ट डालकर के वाहवाही लूटने की एक नौटंकी मात्र है, यह तो आने वाला समय ही बता पायेगा। लेकिन अच्छी बात यह है कि कम से कम युद्ध के माहौल के चलते जब पूरी दुनिया ऊर्जा व आर्थिक संकट के मुहाने पर खड़ी है, उस वक्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस अपील पर भारत में धरातल पर अमल शुरू होना देश व समाज हित के लिए एक बहुत अच्छा संकेत है।

लेकिन विचारणीय तथ्य यह भी है कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह मुहिम कुछ समय की ना होकर के देश व समाज हित में धरातल पर दीर्घकालीन स्थाई रूप ले पायेगी, हालांकि यह तो आने वाला समय ही बता पायेगा। लेकिन पूरी दुनिया में जिस तरह से युद्धों के चलते बेहद ही तनावपूर्ण माहौल चल रहा है, उस माहौल का स्पष्ट रूप से संदेश है कि अब वह दौर आ गया है जब देश व समाज के हित में जनता के टैक्स के पैसे के दम पर राजा-महाराजाओं की तरह पूरी शानो-शौकत व ठाट-बाट से जीवन व्यतीत कर रहे शासन-प्रशासन के लोग सादगी से जीवनयापन करने की आम जनमानस के सामने नज़ीर पेश करते हुए लोगों को भी सादा जीवन उच्च विचार के लिए प्रेरित करें। वैसे भी देखा जाए तो अब देश व दुनिया में वह दौर शुरू हो गया है, जब देश व समाज के हित की बातें सिर्फ और सिर्फ सरकारी दफ्तरों में बैठकर के आम जनमानस पर अपने विचार या नियम-कानून बना कर के थोप देने मात्र से ही पूरी नहीं हो जाती है, बल्कि उस पर अमल करवाने के लिए शासन-प्रशासन में बैठे हुए ताकतवर लोगों को भी स्वयं अनुशासित होकर के जीवन पथ पर सादगी व जवाबदेही को अपनाकर उदाहरण पेश करना चाहिए, तब ही आम जनमानस भी उन लोगों की देखा-देखी उस पर अमल करने का कार्य करेगा। लेकिन आज के वीवीआईपी बनकर के दिखाने वाले दौर में जिस तरह के राजसी ठाट-बाट के साथ कुछ राजनेताओं व शासन-प्रशासन में बैठे हुए कुछ लोग सरकारी व निजी दौरों के दौरान अनाप-शनाप खर्चा करते हैं, क्या ऐसे लोग के द्वारा देश व समाज हित में उन सभी अनावश्यक खर्चों में स्वयं ही कटौती करने की पहल करके जनता के सामने एक बड़ी मिसाल कायम नहीं करनी चाहिए।

विचारणीय तथ्य यह भी है कि आजकल देश में जिस तरह से सरकारी या गैरसरकारी लोगों के मन में अपने आपको एक बड़ा वीवीआईपी दिखाने की चाह रहती है, वह चाहते देश व समाज हित में ठीक नहीं है, क्योंकि इन लोगों को वीवीआईपी दिखाने की चाहत में सिस्टम का बड़ा तामझाम, लग्जरी मंहगी गाड़ियों के लंबे-चौड़े काफिले, चार्टर प्लेन आदि दिखावे पर जनता के द्वारा देश के विकास के लिए दिये गये टैक्स की काफी धनराशि का दुरुपयोग होता है, जिसको तत्काल रोका जाना चाहिए। वहीं कुछ लोगों के द्वारा अपना भौकाल बनाने के लिए व दिखावे के लिए ली गयी अत्यधिक सुरक्षा व्यवस्था और रखरखाव में होने वाले अतिरिक्त खर्चों को भी अब बिल्कुल सीमित करना चाहिए। क्योंकि जिस तरह से चंद लोग सिस्टम में बैठे कुछ ताकतवर लोगों की कृपा से सरकारी अमले की आड़ में जनता के टैक्स के पैसों पर मौज मस्ती करते हुए जनता का ही आये दिन उत्पीड़न करते हैं, यह किसी से भी छिपा हुआ नहीं है, सिस्टम में बैठे हुए कुछ लोगों से सांठ-गांठ करके हमारे प्यारे देश में धनपशु, दलाल व अपराधी तक भी सरकारी सुरक्षा व सुविधाओं के भौकाल का आनंद लें रहे हैं, जो नियम कायदे व कानून पसंद देशभक्त देशवासियों के लिए बेहद चिंताजनक स्थिति है। देश व समाज हित में जनता के द्वारा टैक्स के रूप में दी गई धनराशि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, युवाओं, महिलाओं, किसानों और उद्योग-धंधों आदि के साथ-साथ देश के सर्वांगीण विकास पर खर्च हो। देश की जनता के टैक्स का धन देश के विकास और आम जनमानस की भलाई में लगे, न कि वीवीआईपी बनने की चाहत के बेफिजूल के खर्चों और शानो-शौकत में

बौद्ध चैत्यगृह भोंगापाल से प्रज्ञा, शील, करुणा, मैत्री एवं शांति का संदेश चारों ओर फैलेगा

बौद्ध चैत्यगृह भोंगापाल में प्रदेश स्तरीय बुद्ध जयंती एवं सम्मान समारोह आयोजित

भोंगापाल/नारायणपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश के बस्तर संभाग में कोण्डागांव, कांकेर और नारायणपुर जिले की सीमा पर स्थित भोंगापाल में छठी शताब्दी का प्राचीन बौद्ध चैत्यगृह और बुद्ध की विशाल प्रतिमा है। यह स्थान आदिवासी परंपराओं एवं मान्यताओं के साथ बौद्ध धम्म दर्शन का अनूठा संगम है। भोंगापाल में आयोजित प्रदेश स्तरीय बुद्ध जयंती समारोह का शुभारंभ प्राचीन बौद्ध चैत्यगृह में विशाल बौद्ध प्रतिमा के सम्मुख केशकाल विधानसभा क्षेत्र के विधायक नीलकंठ टेकाम, बौद्ध समाज के संरक्षक महादेव कावरे, दिलीप वासनीकर, डॉ कृष्णमूर्ति कांबले, आलोक देव एवं छत्तीसगढ़ बौद्ध समाज के प्रदेश अध्यक्ष अनिल खोबरागड़े, भोंगापाल के सरपंच रामसाय नाग, जयंत वासनीकर एवं फूल सिंह कोर्राम के साथ विभिन्न जिलों से आये बौद्ध समाज के प्रमुखों द्वारा मोमबत्ती, अगरबत्ती जलाकर सामूहिक रूप से बुद्ध वंदना कर त्रिशरण पंचशील का पाठ किया गया। इसके पश्चात डॉ.कृष्णमूर्ति कांबले की अगुवाई में राज्य स्तरीय भोंगापाल बुद्ध महोत्सव कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बुध्ददेव संरक्षण समिति के सदस्यों, पंचायत प्रतिनिधियों एंव विभिन्न जिलों से आये बौद्ध समाज के विशिष्टजनो को मेडल, बौद्ध स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक नीलकंठ टेकाम ने अपने संबोधन में कहा की हाईवे रोड से भोंगापाल कैसे पहुंचा जा सकता है यह बताने साइन बोर्ड लगाने एवं सुगम आवागमन के लिए अच्छी सड़कों का निर्माण किया जाना है। ग्रामीणों की मांगों के अनुरूप भोंगापाल में बुद्ध के नाम पर महाविद्यालय और उच्च स्वास्थ्य केन्द्र की आवश्यकता है जिसका लाभ तीनों जिलों के लोग ले सके। आयुक्त एवं बौद्ध समाज के संरक्षक महादेव कावरे ने बौद्ध चैत्यगृह का संरक्षण, संवर्धन करने एवं यहां आने वाले पर्यटकों को ध्यान में रखते हुए इस क्षेत्र को विकसित करने पर अपने विचार व्यक्त किए। पूर्व कमिश्नर दिलीप वासनीकर ने बस्तर कमिश्नर के रूप में इस क्षेत्र में किए गए कार्यों को याद करते हुए कहा कि सामाजिक एकजुटता के साथ इस क्षेत्र में लगातार बौद्ध धम्म के आयोजन किए जाने चाहिए। भोंगापाल बुद्ध जयंती आयोजन समिति के अध्यक्ष अनिल खोबरागड़े ने कहा कि भोंगापाल बौद्ध चैत्यगृह से तथागत गौतम बुद्ध के प्रज्ञा, शील, करुणा, मैत्री एवं शांति का संदेश चारों ओर फैलेगा। भोंगापाल क्षेत्र के आदिवासी समाज एवं सर्व समाज के सहयोग से हम लगातार बौद्ध चैत्यगृह में कार्यक्रमों का आयोजन करते रहेंगे। उन्होंने बुद्ध जयंती समारोह के सफल आयोजन के लिए ग्राम वासियों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए बौद्ध समाज के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रदेश स्तरीय बुद्ध जयंती समारोह एवं सम्मेलन में उपस्थित बौद्ध समाज ने छत्तीसगढ़ शासन से मांग की है कि छत्तीसगढ़ शासन 6 वीं शताब्दी में निर्मित छत्तीसगढ़ के एकमात्र बौद्ध चैत्यगृह एवं विशाल बौद्ध प्रतिमा का संरक्षण, संवर्धन करें। बौद्ध धम्म दर्शन को ध्यान में रखते हुए भोंगापाल में अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध शांति पार्क की स्थापना की जाए। अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार बौद्ध चैत्यगृह भोंगापाल को प्रमुख बौद्ध पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाए।भोंगापाल में सर्वसुविधायुक्त बौद्ध विहार एवं ध्यान/ विपश्यना केन्द्र का निर्माण किया जाए। शासन द्वारा भोंगापाल में बौद्ध कालीन संस्कृति एवं सभ्यता को ध्यान में रखते हुए व्यापक क्षेत्र में उत्खनन किया जाना चाहिए। जिला मुख्यालय कोंडागांव, नारायणपुर एवं कांकेर से भोंगापाल बौद्ध चैत्यगृह जाने वाले मार्ग पर साइन बोर्ड लगाकर अच्छी सड़कों का निर्माण किया जाय।

विभागीय अधिकारियों ने किया विस्तृत निरीक्षण, पीएमजीएसवाए के प्रमुख अभियंता के.के. कटारे ने की सड़कों की गुणवत्ता की जांच

बीजापुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जिले के बीजापुर में पीएमजीएसवाए योजनाओं के अंतर्गत निर्मित एवं प्रगतिरत सड़को की गुणवत्ता की व्यापक जांच की गई। प्रमुख अभियंता के.के कटारे, अधीक्षण अभियंता मनोज राजे सहित विभागीय अमले ने विभिन्न निर्माण स्थलों पर पहुंचकर सड़को का बारीकी से निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सड़क निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता, तकनीकी मापदंडों, सड़क की मोटाई, सतह की मजबूती जल निकासी व्यवस्था तथा सुरक्षा मानको की विस्तार से जांच की गई है। भोपालपटनम विकासखं में ऊलूर से केरपे, लंबाई 90 कि.मी. सड़क की भी विभागीय टीम ने गुणवत्ता जांच की। निरीक्षण के दौरान सड़कों की सतह, मजबूती एवं तकनीकी मानकों के अनुरुप कार्य नही कराये जाने के कारण नाराजगी व्यक्त करते हुए ठेकेदार अंकित गुप्ता को निर्देशित किया गया है कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्वक पूर्ण किये जाने के उपरांत ही भुगतान किया जाना संभव है साथ ही सड़क के बगल से खाई नुमा मिट्टी खोद कर अर्थवर्क कार्य करने पर एवं मनमर्जी ढंग से किसी भी स्थान पर पुलिया बनायें जाने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की गयी तथा ठेकेदार अंकित गुप्ता को निर्देशित किया गया कि सभी पुलियों को तोड़कर विभागीय अभियंताओ के निर्देशानुसार पुनः कार्य किया जावे एवं सड़क के बगल से मिट्टी खोदे जाने के कारण सड़क में कटाव होने कि आंशका के कारण उसे भरे जाने हेतु निर्देशित किया गया। इसी प्रकार पालनार से रेगड़गट्टा लंबाई 5 कि.मी. एवं भैरमगढ़ बीजापुर रोड़ 20 कि.मी. से बडेतुंगली ठेकेदार दंगल बिल्डर्स को कार्यो को गुणवत्तापूर्वक कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। एल.26 बोगामगुडा से गुमरा ठेकेदार हरबीर सिंह बदेशा गुणवत्तापूर्वक कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही स्थल का विभागीय एवं ठेकेदार के तकनीकी अमलों के साथ पुनः संयुक्त निरीक्षण हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से विशेष रुप से अति पिछड़े एवं जनजातीय क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा, जिससे ग्रामीणों को शिक्षा स्वास्थ्य सेवाओं, बाजार एवं रोजगार के अवसरों तक बेहतर पहुंच मिलेगी। उन्होंने यह भ कहा कि ग्रामीण सड़कें क्षेत्रीय विकास की आधारशीला होती हैं और इनके माध्यम से सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलती है। प्रमुख अभियंता के.के कटारे द्वारा ठेकेदारों एवं विभागीय अभियंताओं को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए जिससे बीजापुर जिले में नक्सल उन्मूलन के उपरांत जिले के विकास कार्यो में तेजी आये एवं ग्रामीण जनता सीधे संपर्क मांर्गो से जुड़ सकें।

आत्मसमर्पित नक्सलियों ने मुख्यमंत्री को सुनाया 'बदलते बस्तर' का गीत, प्रतिभा को मिली सराहना

नारायणपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत नारायणपुर जिले के ओरछा विकासखंड स्थित ग्राम पंचायत गारपा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अबूझमाड़ के ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान जिले के नितारा (नारायणपुर इंस्टीट्यूट ऑफ ट्राइबल एंड रूरल आर्ट) से जुड़े कलाकारों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी कला और प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में कलाकारों ने बदलते बस्तर विषय पर आधारित गीत एवं नाट्य प्रस्तुति दी। प्रस्तुति के माध्यम से यह दर्शाया गया कि किस प्रकार शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रशासनिक प्रयासों से कभी पिछड़े और विकास से दूर रहे गांव आज मुख्यधारा से जुड़ रहे है तथा लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है। विशेष बात यह रही कि प्रस्तुति देने वाले कलाकारों में आत्मसमर्पित नक्सली भी शामिल थे। जिला प्रशासन द्वारा संचालित नितारा के 30 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें संगीत, नृत्य, अभिनय एवं अन्य कलाओं का प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद इन युवाओं ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर नई दिशा में बढ़ते जीवन का संदेश दिया। आत्मसमर्पित युवाओं की कला, आत्मविश्वास और सकारात्मक बदलाव की भावना को देखकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अत्यंत प्रसन्न हुए। उन्होंने कलाकारों की सराहना करते हुए कहा कि बस्तर के युवाओं में अपार प्रतिभा है और उन्हें अवसर एवं मार्गदर्शन प्रदान कर विकास की मुख्यधारा से जोड़ना शासन की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कलाकारों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

मानसून 2026 के मद्देनजर जिला स्तरीय बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष हुआ सक्रिय

दंतेवाड़ा। आगामी मानसून सत्र के दौरान संभावित प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, अतिवृष्टि, आंधी-तूफान एवं अन्य आपात परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने तथा राहत एवं बचाव कार्यों को त्वरित गति से संचालित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन दंतेवाड़ा द्वारा जिला स्तरीय बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष को सक्रिय कर दिया गया है। कलेक्टर कार्यालय दंतेवाड़ा द्वारा जारी आदेश के अनुसार मानसून वर्ष 2026 के दौरान बाढ़, अतिवृष्टि एवं आंधी-तूफान से होने वाली जन-धन हानि, फसल क्षति, मकान क्षति तथा अन्य प्राकृतिक आपदा संबंधी घटनाओं की जानकारी प्राप्त करने, उसका संकलन करने और राहत कार्यों के समन्वय हेतु जिला कार्यालय दंतेवाड़ा के नियंत्रण कक्ष क्रमांक-137 में आगामी आदेश तक जिला स्तरीय बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष संचालित किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा नियंत्रण कक्ष के सुचारू संचालन के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तीन पालियों में ड्यूटी लगाई गई है। प्रथम पाली प्रातः 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक, द्वितीय पाली दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक तथा तृतीय पाली रात्रि 8 बजे से अगले दिन प्रातः 6 बजे तक संचालित होगी। प्रथम पाली में कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग दंतेवाड़ा के अधीन कार्यरत सहायक ग्रेड-03 हर्षित गौतम को तहसीलों से प्राप्त होने वाली जानकारी का संकलन कर निर्धारित प्रारूप (एनेक्सर-01) में दैनिक प्रतिवेदन तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सहायक ग्रेड-02 नरेन्द्र टंडन को प्रतिदिन होने वाली क्षति की जानकारी का पंजी संधारण एवं अभिलेखीकरण करने का दायित्व सौंपा गया है। इनके सहयोग के लिए श्रम विभाग के भृत्य नागेन्द्र प्रसाद पटेल को तैनात किया गया है। दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक संचालित होने वाली द्वितीय पाली में उप संचालक उद्यान विभाग दंतेवाड़ा के ग्रेड-03 कर्मचारी रामजी नाग को प्रथम पाली में किए गए समस्त कार्यों का प्रभार लेकर नियंत्रण कक्ष संचालन की जिम्मेदारी दी गई है। शासकीय हाई स्कूल कांवड़गांव के सहायक ग्रेड-03 भगत राम ठाकुर को उनकी ड्यूटी अवधि में प्राप्त होने वाली सभी सूचनाओं एवं जानकारियों को तत्काल जिला नियंत्रण अधिकारी तक पहुंचाने का दायित्व सौंपा गया है। इनके साथ जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के भृत्य पलाश जोष भी नियंत्रण कक्ष में सेवाएं देंगे। रात्रि 8 बजे से अगले दिन प्रातः 6 बजे तक संचालित तृतीय पाली में उप वनमंडल कार्यालय गीदम के वायरलेस ऑपरेटर शम्भुनाथ झा तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मेटापाल के सहायक ग्रेड-03 बसंत यदु की ड्यूटी लगाई गई है। इन्हें द्वितीय पाली में सौंपे गए सभी कार्यों का प्रभार लेकर नियंत्रण कक्ष संचालन, सूचनाओं का संकलन एवं जिला नियंत्रण अधिकारी को तत्काल रिपोर्ट उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अतिरिक्त राहत शाखा के प्रभारी अधिकारी द्वारा समय-समय पर सौंपे जाने वाले अन्य कार्यों का भी निष्पादन किया जाएगा।

नारायणपुर में खनिजों के अवैध परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, 5 हाइवा वाहन जब्त

नारायणपुर। खनिज जांच दल द्वारा गत 23 मई को जिले में आकस्मिक निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस दौरान साधारण पत्थर (गिट्टी) एवं रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर 5 हाइवा वाहनों को जब्त कर कार्यालय कलेक्टर परिसर, जिला नारायणपुर में सुरक्षित रखा गया है। खनिज विभाग द्वारा अवैध परिवहनकर्ताओं के विरुद्ध खनिजों के अवैध परिवहन का प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। जांच के दौरान जब्त वाहनों में रेत एवं साधारण पत्थर (गिट्टी) का परिवहन बिना वैध अभिवहन पास के किया जा रहा था। जब्त किए गए वाहनों में नारायणपुर, रायपुर, राजनांदगांव एवं कोंडागांव जिले के वाहन शामिल हैं। इनमें दो वाहन रेत परिवहन तथा तीन वाहन साधारण पत्थर (गिट्टी) के अवैध परिवहन में संलिप्त पाए गए। खनिज विभाग के अनुसार सभी प्रकरणों में छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियमावली 2015 के नियम 71 (5) तथा खान एवं खनिज विकास एवं विनियमन अधिनियम 1957 की धारा 21(5) के तहत दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टर ने जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के निर्देश दिए हैं। इसके तहत खनिज अमले द्वारा लगातार जांच एवं निगरानी अभियान जारी रखा जाएगा, ताकि अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके।

भानुप्रतापपुर में निजी अस्पताल में जच्चा-बच्चा की मौत के बाद गरमाई राजनीति

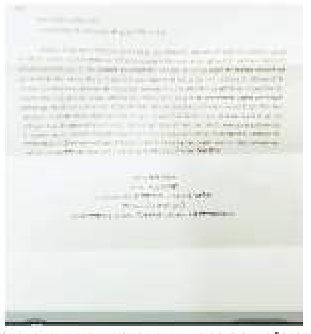

भानुप्रतापपुर। तहसील दुर्गूकोंदल के ग्राम चाहचांड निवासी कमलेश कोमरा के हंसते-खेलते परिवार में पसरा मातम अब प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। बीते दिनों कमलेश की 31 वर्षीय गर्भवती पत्नी द्रौपदी कोमरा और उनके नवजात बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। इस संवेदनशील मामले में अब एक नया मोड़ आ गया है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भानुप्रतापपुर के अध्यक्ष को बालोद से स्पीड पोस्ट के जरिए एक शिकायती पत्र मिला है, जिसकी सत्यता और मंशा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रथम दृष्टया यह पत्र किसी बड़ी साजिश या आपसी रंजिश के तहत आदिवासी ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर को जानबूझकर टारगेट करने के उद्देश्य से लिखा गया प्रतीत हो रहा है। मृतिका द्रौपदी कोमरा को प्रसव पीड़ा होने पर बीते 15 मई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भानुप्रतापपुर में भर्ती कराया गया था। 17 मई को सोनोग्राफी और अन्य जांचों में पता चला कि गर्भ में 'वाटर लेवल' (एमनियोटिक फ्लूइड) बेहद कम है, जिससे सामान्य प्रसव असंभव था और जच्चा-बच्चा दोनों की जान को गंभीर खतरा था। गंभीर स्थिति को देखते हुए परिजनों ने बेहतर इलाज की उम्मीद में मरीज को भानुप्रतापपुर के ही निजी 'गौतम हॉस्पिटल' में भर्ती कराया। परिजनों का आरोप है कि गौतम हॉस्पिटल में उन्हें 5 घंटे तक इंतजार कराया गया। स्थिति बिगड़ने पर परिजनों ने बार-बार सिजेरियन (ऑपरेशन) करने की गुहार लगाई, लेकिन निजी अस्पताल प्रबंधन ने उनकी एक न सुनी और जबरन नॉर्मल डिलीवरी का प्रयास करते रहे। इस लापरवाही का अंजाम यह हुआ कि मां और बच्चे दोनों की तड़पकर मौत हो गई।

पीएम न होना खड़ा करता है बड़ा सवाल

इतनी बड़ी घटना और कथित लापरवाही के बाद भी जच्चा-बच्चा दोनों के शवों का पोस्टमार्टम क्यों नहीं कराया गया? कानूनन और प्रशासनिक तौर पर इतनी बड़ी चूक कैसे हुई, यह आज भी अस्पताल प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है।

बालोद से आए पत्र ने खोला संशय का पिटाराः फर्जी होने की आशंका

इस दुखद घटना के बीच, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष को बालोद से एक पत्र प्राप्त हुआ है। इस पत्र में पूरी घटना का ठीकरा निजी गौतम हॉस्पिटल पर फोड़ने के बजाय, सिर्फ और सिर्फ शासकीय अस्पताल और वहां के बीएमओ डॉ. सचेन्द्र गोटा पर मढ़ा गया है। पत्र में लिखा गया है कि डॉ. गोटा प्रशिक्षित होने के बाद भी खुद ऑपरेशन न करके निजी अस्पताल से कमीशनखोरी करते हैं।

लेकिन इस पत्र की कड़ियों को जोड़ने पर इसके 'फर्जी' और 'प्रायोजित' होने की बू आ रही

लापरवाही निजी अस्पताल की, निशाना सरकारी डॉक्टर पर: घटना पूरी तरह से निजी गौतम हॉस्पिटल में घटी, जहां डिलीवरी के दौरान दोनों की मौत हुई। लेकिन पत्र में गौतम हॉस्पिटल की लापरवाही का कोई जिक्र न करते हुए, केवल आदिवासी बीएमओ को निशाना बनाया गया है।

भानुप्रतापपुर का मायका, तो बालोद से पोस्ट क्यों?

पत्र लिखने वाले ने खुद को महिला बताते हुए लिखा है कि उसका मायका भानुप्रतापपुर में है और वह वहीं डिलीवरी कराना चाहती थी। यदि शिकायतकर्ता वर्तमान में भानुप्रतापपुर में ही है, तो पत्र भानुप्रतापपुर से पोस्ट न होकर बालोद से क्यों भेजा गया?

अधूरी जानकारी और बंद मोबाइल नंबर

यदि शिकायत वास्तविक और दमदारी से की गई होती, तो शिकायतकर्ता ने अपनी पूरी पहचान उजागर की होती। पत्र में जो मोबाइल नंबर अंकित किया गया है, वह लगातार बंद आ रहा है। पत्र में पीड़ित परिवार के साथ घटे वास्तविक घटनाक्रम का कोई प्रामाणिक विवरण नहीं है, जिससे साफ होता है कि यह केवल शासकीय डॉक्टर की छवि धूमिल करने के उद्देश्य से रची गई एक साजिश है।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष की प्रतिक्रिया पर टिकी नजरें

इस पूरे मामले में जहां एक ओर पीड़ित परिवार न्याय की गुहार लगा रहा है, वहीं दूसरी ओर एक आदिवासी अधिकारी को सोची-समझी रणनीति के तहत घेरने की कोशिश की जा रही है। अब देखना यह होगा कि ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के पास पहुंचे इस संदिग्ध पत्र पर संगठन और प्रशासन की क्या प्रतिक्रिया होती है। क्या इस फर्जी पत्र की जांच होगी या फिर असली दोषियों निजी अस्पताल को बचाने के लिए सरकारी तंत्र को बलि का बकरा बनाया जाएगा? यह आने वाला समय ही बताएगा।

ग्राम पंचायत सुरनार में क्लस्टर स्तरीय शिविर आयोजित, 221 आवेदन प्राप्त

दंतेवाड़ा। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आज ग्राम पंचायत सुरनार में क्लस्टर स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्राम पंचायत धनीकरका, दुवालीकरका, बुरदीकरका, नड़ियापदर, सुरनार, गाटम एवं बड़ेलखापाल के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक चैतराम अटामी शामिल हुए। इस अवसर पर जनपद पंचायत कटेकल्याण के उपाध्यक्ष भीमसेन मंडावी सहित जनपद सदस्य, सरपंच, पंच एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा दो दिव्यांग हितग्राहियों को सहायक उपकरण के रूप में छड़ी एवं व्हीलचेयर वितरित की गई। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा तीन गर्भवती महिलाओं की गोद भराई तथा चार शिशुओं के अन्नप्राशन संस्कार की रस्म संपन्न कराई गई। शिविर में कुल 14 विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर आमजन की समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए। इस दौरान कुल 221 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 216 मांग संबंधी तथा 5 शिकायत संबंधी आवेदन शामिल हैं। शिविर में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा विभिन्न सुविधाओं एवं विकास कार्यों से संबंधित मांगों को प्रशासन के समक्ष रखा। आयोजन के माध्यम से शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ तथा समस्याओं के त्वरित निराकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

अंतागढ़ में 36 घंटे से चक्काजाम: ब्लॉक मुख्यालय की मांग को लेकर 68 गांवों के ग्रामीणों ने स्टेट हाईवे-5 किया ठप

भानुप्रतापपुर। कोयलीबेड़ा ब्लॉक मुख्यालय को वापस उसके मूल स्थान पर संचालित करने की मांग को लेकर कोयलीबेड़ा अंचल के ग्रामीणों का आक्रोश चरम पर पहुंच गया है। अंतागढ़ में पिछले 30 घंटों से स्टेट हाईवे क्रमांक 5 पूरी तरह से ठप है। 18 ग्राम पंचायतों के 68 गांवों से आए हजारों ग्रामीणों ने कुहचे चौक और इमलीपदर चौक पर अनिश्चितकालीन चक्काजाम कर दिया है, जिससे अंतागढ़ शहर का संपर्क पूरी तरह से कट गया है। आंदोलन के दूसरे दिन भी स्थिति जस की तस तनावपूर्ण बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान में कोयलीबेड़ा ब्लॉक मुख्यालय 'लिंक कार्यालय' के नाम से पखांजूर में चलाया जा रहा है। इसके कारण छोटे-छोटे प्रशासनिक और दस्तावेजी कार्यों के लिए भी ग्रामीणों को मीलों दूर पखांजूर के चक्कर काटने पड़ते हैं, जिससे समय और पैसे दोनों की भारी बर्बादी होती है।

चारों तरफसे घिरा अंतागढ़, पुलिस की गाड़ियां भी रोकी गईं

शुरुआत में ग्रामीणों ने केवल कुहचे चौक पर मोर्चा संभाला था, लेकिन आंदोलन उग्र होने के बाद प्रदर्शनकारियों ने इमलीपदर चौक को भी अपने कब्जे में ले लिया। इसके चलते पूरा अंतागढ़ शहर एक तरह से किले में तब्दील हो गया है। स्थिति इतनी गंभीर है कि न तो कोई व्यक्ति शहर में प्रवेश कर पा रहा है और न ही बाहर जा पा रहा है। आक्रोशित भीड़ ने सुरक्षा व्यवस्था में लगी पुलिस की गाड़ियों को भी शहर के भीतर दाखिल होने से रोक दिया है।

साप्ताहिक बाजार प्रभावित, गाड़ियों की लगी लंबी कतारें

बीते दिन अंतागढ़ का साप्ताहिक बाजार होने के कारण अंचल के दूर-दराज के ग्रामीण अपनी जरूरत का सामान खरीदने पहुंचे थे, लेकिन चक्काजाम के चलते पूरा बाजार और आम जनजीवन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। स्टेट हाईवे बंद होने की वजह से सड़क के दोनों ओर मालवाहक वाहनों और यात्री बसों की कई किलोमीटर लंबी कतारें लग गई हैं, जिससे राहगीर और स्थानीय लोग परेशान हैं।

ज्ञापन में शामिल प्रमुख 10 सूत्रीय मांगें

स्वामी विवेकानन्द उत्कृष्ट विद्यालय को ब्लॉक मुख्यालय के नाम से पखांजूर में शिफ्ट किया जा रहा है, जिसे वापस कोयलीबेड़ा क्षेत्र में ही रखा जाए। क्षेत्र में 'जिला सहकारी बैंक' की शाखा खोली जाए। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की मूलभूत मांगों को पूरा किया जाए, नया सोलर सिस्टम लगाया जाए, महिला डॉक्टर की पदस्थापना हो, रिक्त पदों को भरा जाए तथा नए भवन की स्वीकृति दी जाए। क्षेत्र में खाद और बीज की समस्या का स्थाई निराकरण किया जाए। जर्जर हो चुके स्कूलों और आश्रमों की तत्काल मरम्मत कराई जाए। इसी चालू सत्र से क्षेत्र में एक नया कॉलेज खोला जाए। ब्लॉक मुख्यालय के समस्त कार्यालयों का संचालन पूर्ण रूप से कोयलीबेड़ा से ही किया जाए। जिला खनिज संस्थान न्यास की राशि प्रभावित क्षेत्रों में शत-प्रतिशत खर्च की जाए। कोयलीबेड़ा से अंतागढ़ मार्ग का तत्काल डामरीकरण कार्य कराया जाए। राजस्व प्रकरणों के सरलीकरण हेतु कोयलीबेड़ा तहसील को अनुभाग अंतागढ़ में जोड़ा जाए।

जनप्रतिनिधियों के खिलाफ फूटा गुस्सा, फूंका पुतला

मुख्यालय स्थानांतरण के मुद्दे पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों की चुप्पी से नाराज ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने स्थानीय विधायक विक्रम उसेंडी और कांकेर के सांसद भोजराज नाग पर क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए उनके पुतले फूंके और जमकर नारेबाजी की।

राशन-पानी साथ लेकर सड़क पर ही गुजारी रात

यह आंदोलन लंबे खिंचने के आसार हैं क्योंकि ग्रामीण पूरी तैयारी के साथ आए हैं। वे अपने साथ पर्याप्त राशन, पानी और खाना पकाने के बर्तन लेकर आए हैं। कड़ाके की ठंड और खुले आसमान के नीचे हजारों ग्रामीणों ने रात स्टेट हाईवे पर ही गुजारी और वहीं सामूहिक रूप से भोजन पकाया। उनका साफ कहना है कि जब तक ठोस लिखित आश्वासन नहीं मिलता, वे पीछे नहीं हटेंगे।

मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान, दिया वार्ता का आश्वासन

इस बड़े आंदोलन की गूंज राजधानी और बस्तर प्रवास पर आए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तक पहुंच चुकी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने बयान जारी कर कहा, सरकार ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है। जल्द ही आंदोलनकारियों से सीधे बातचीत कर इस संवेदनशील मामले का उचित समाधान निकाला जाएगा। फिलहाल प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारी मौके पर तैनात हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत अंतरराष्ट्रीय धूम्रपान निषेध दिवस पर बोखी में शपथ एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जशपुरनगर। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 31 मई 2026 को अंतरराष्ट्रीय धूम्रपान निषेध दिवस जशपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत बोखी में मनाया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारी कर्मचारियों एवं ग्रामीणों की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त ग्रामवासियों एवं कर्मचारियों को नशा मुक्ति के संबंध में प्रेरित करते हुए नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर नशा मुक्ति संबंधी नारों के माध्यम से जनजागरूकता फैलाते हुए सभी को नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश देते हुए नशा मुक्त शपथ दिलाई गई तथा स्वयं एवं समाज को नशामुक्त बनाने हेतु संकल्प कराया गया। जशपुर लोक संगीत अकादमी द्वारा नृत्य, लोकगीत नागपुरी नुक्कड़, नाटक के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को स्वस्थ, सकारात्मक एवं नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूक करते हुए नशामुक्त जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों, युवाओं, महिलाओं एवं विद्यार्थियों द्वारा तम्बाकू सेवन नहीं करने तथा अपने परिवार एवं समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया गया। साथ ही सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान निषेध एवं उत्पादों की बिक्री से संबंधित कानूनी प्रावधानों की भी जानकारी प्राप्त की गई। आयोजन के सफल संचालन में श्री धर्मेन्द्र कुमार साहू उप संचालक, समाज कल्याण विभाग जशपुर एवं स्वास्थ्य विभाग का सक्रिय सहयोग रहा। कार्यक्रम के माध्यम से समुदाय में नशामुक्ति एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति सकारात्मक संदेश प्रेषित किया गया।

डीजल चोरी गिरोह का भंडाफोड़: 10 हजार का इनामी मास्टरमाइंड नवीन कश्यप गिरफ्तार

कोरबा। जिला पुलिस ने गेवरा और कुसमुंडा खदान क्षेत्रों में सक्रिय डीजल चोरी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए इसके मास्टरमाइंड नवीन कश्यप समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी नवीन कश्यप पिछले डेढ़ वर्ष से फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार, डीजल चोरी के इस संगठित गिरोह के खिलाफलगातार कार्रवाई की जा रही है। अब तक इस मामले में कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें से 9 आरोपी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके थे, जबकि ताजा कार्रवाई में 3 और आरोपियों को दबोचा गया है। पुलिस पूर्व में 2500 लीटर चोरी का डीजल भी जब्त कर चुकी है। इस कार्रवाई में घटना में प्रयुक्त दो स्कॉर्पियो वाहन भी जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में नवीन कश्यप (34 वर्ष), निवासी बलगी शांतिनगर बांकी मोंगरा, परमेश्वर सारथी (28 वर्ष), निवासी बलगी शांतिनगर बांकी मोंगरा तथा सब्बीर मेमन (35 वर्ष), निवासी गेवरा बस्ती गांधी चैक कुसमुंडा शामिल हैं। जब्त वाहनों में स्कॉर्पियो क्रमांक सीजी 28 पी 6555 तथा सीजी 12 बीयू 6064 शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक 1 जून 2026 की रात थाना दीपका पुलिस गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि डीजल चोरी गिरोह का मास्टरमाइंड नवीन कश्यप जांजगीर क्षेत्र में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नवीन कश्यप सहित तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही घटना में प्रयुक्त दोनों स्कॉर्पियो वाहनों को भी जब्त कर लिया गया।

मौसम ने ली करवट: तेज आंधी-तूफान और मूसलाधार बारिश से मिली राहत, कई इलाकों में जलभराव

कोरबा । भीषण गर्मी और उमस से परेशान कोरबा जिले के लोगों को मंगलवार शाम बड़ी राहत मिली। शाम करीब 4 बजे अचानक मौसम ने करवट ली और तेज आंधी-तूफान, बिजली की गर्जना के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। करीब एक घंटे तक हुई झमाझम बारिश से पूरा शहर तरबतर हो गया औ तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार दोपहर तक जिले में तेज धूप और गर्मी का असर बना हुआ था। तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था। शाम होते-होते आसमान में घने काले बादल छा गए और तेज हवाएं चलने लगीं। इसके बाद शुरू हुई बारिश ने मौसम को पूरी तरह बदल दिया। बिजली की चमक और गर्जना के बीच हुई तेज बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। बारिश के चलते टीपी नगर, कोसाबाड़ी, घंटाघर, सीएसईबी चैक और इंदिरा स्टेडियम रोड समेत कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। नालियों की सफाई नहीं होने के कारण बारिश का पानी सड़कों पर भर गया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। कोचिंग, दफ्तर और बाजार से लौट रहे कई लोग रास्ते में फंस गए। तेज हवाओं के कारण शहर के कई स्थानों पर लगे बैनर, पोस्टर और होर्डिंग्स क्षतिग्रस्त हो गए। कई जगह पेड़ों की डालियां टूटकर सड़कों पर गिर गईं। सीएसईबी चैक और घंटाघर क्षेत्र में बड़े फ्लेक्स फट गए। वहीं आंधी के कारण कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित रही।

जनसमस्या निवारण शिविर में प्राप्त आवेदनों को मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत करुंगा: कलेक्टर

राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए स्वयं दो दिन तहसील कार्यालयों में बैठने कलेक्टर संतोष ने किया आस्वस्थ..........

■ विभिन्न योजनाओं के तहत बड़ी संख्या में हितग्राहियों को किया गया लाभान्वित

गौरेला पेंड्रा मरवाही। सुशासन तिहार के अंतर्गत आज गौरेला विकासखण्ड के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र के ग्राम पंचायत लमना में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैकरा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में आस-पास के ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी मांग एवं शिकायत प्रशासन के समक्ष रखी। शिविर में सभी विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा विभिन्न योजनाओं के तहत बड़ी संख्या में हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। कलेक्टर ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि लमना के शिविर में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी को आना था, किन्तु उनके हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने के कारण उनका आना स्थगित हो गया। उन्होंने कहा कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों को वे मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। शिविर में ज्यादातर आवेदन राजस्व विभाग से संबंधित प्राप्त होते हैं। राजस्व विभाग को और अधिक काम करने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि वे प्रत्येक तहसील कार्यालय में दो दिन तहसीलदार एवं पटवारियों के साथ बैठकर न्यायालयीन प्रकरणों को छोड़कर सीमांकन, बटवारा, नामांतरण, नक्शा

बटांकन आदि विभिन्न प्रकरणों का स्वयं निराकरण करेंगे। कलेक्टर ने कहा कि गर्मी के मौसम में पेयजल आपूर्ति का समुचित प्रबंध किया गया है। पीडीएस का तीन माह का राशन सभी उचित मूल्य दुकानों में पहुचा दिया गया है। आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को पोषण आहार उपलब्ध कराया जा रहा है। जिले में खाद-बीज का पर्याप्त भंडारण है, किसान अपनी आवश्यकता के अनुसार खाद-बीज प्राप्त कर सकते हैं। आजीविका के तहत बकरा-बकरी एवं पशु पालकों को लाभान्वित करने के लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्व सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है, जिससे वे अलग-अलग व्यवसायों से शसक्त हो रही हैं और लखपती दीदी बन रही हैं। पीएम जनमन आवास योजना के तहत आवास पूर्ण कर चुके 200 हितग्राहियों के घर पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर लाईट लगाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। शिविर में कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों ने महिला एवं बाल विकास विभाग की योजना के तहत गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं नन्हें बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया। इसके साथ ही राजस्व, कृषि, वन, परिवहन, समाज कल्याण, मछली पालन सहित अन्य विभागों द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत बड़ी संख्या में हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

पेंशन हितग्राहियों के लिए बैंक खाते से आधार एवं मोबाइल नंबर लिंक कराना अनिवार्य हुआ

गौरेला पेंड्रा मरवाही। नगरपालिका परिषद गौरेला द्वारा सामाजिक पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों से अपने बैंक खातों को आधार एवं मोबाइल नंबर से अनिवार्य रूप से लिंक कराने की अपील की गई है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री नारायण साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में सामाजिक पेंशन योजनाओं की राशि केवल आधार से लिंक बैंक खातों में ही हस्तांतरित की जाएगी। उन्होंने बताया कि समाज कल्याण विभाग रायपुर से प्राप्त निर्देशों के अनुसार विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, मुख्यमंत्री पेंशन, सुखद सहारा पेंशन एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के सभी लाभार्थियों के बैंक खातों का आधार नंबर से लिंक होना आवश्यक है। जिन हितग्राहियों के बैंक खाते आधार से लिंक नहीं होंगे, उन्हें

पेंशन राशि का भुगतान संभव नहीं हो सकेगा। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि नगरपालिका क्षेत्र में निवासरत कुल 2218 पेंशन लाभार्थियों को अपने बैंक खाते में आधार एवं मोबाइल नंबर लिंक कराने के साथ-साथ एनपीसीआई एवं डीबीटी की प्रक्रिया भी पूर्ण करानी होगी। जिन लाभार्थियों का एनपीसीआई एवं डीबीटी सक्रिय नहीं है, वे संबंधित बैंक शाखा में जाकर इसकी जांच एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पेंशन हितग्राही अपने निकटतम लोक सेवा केंद्र (बैंक कियोस्क) अथवा संबंधित बैंक शाखा में जाकर आधार एवं मोबाइल नंबर लिंक कराने की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। इस संबंध में किसी भी प्रकार की समस्या होने पर लाभार्थी नगरपालिका परिषद कार्यालय में संपर्क कर आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। सीएमओ ने सभी पेंशन हितग्राहियों से समय रहते आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कराने का आग्रह किया है, ताकि उन्हें पेंशन राशि प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े।

पर्यावरण की रक्षा करना सरकार व संस्था की ही जिम्मेदारी नहीं हमारी भी जिम्मेदारी बनती है-बानी मुखर्जी

अंबिकापुर। विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पर्यावरण की रक्षा केवल सरकारों या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी का कर्तव्य है। आज बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक ।।क्र संसाधनों के अत्यधिक उपयोग के कारण प्रकृति पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। इसका प्रभाव हमारे स्वास्थ्य, मौसम और जीवन की गुणवत्ता पर साफ दिखाई दे रहा है। इसलिए हमें विकास के साथ-साथ पर्यावरण के संरक्षण पर भी समान ध्यान देना होगा। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए बड़े प्रयासों के साथ-साथ छोटे-छोटे व्यक्तिगत कदम भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। प्लास्टिक का कम उपयोग, पानी और बिजली की बचत, स्वच्छता

बनाए रखना, कचरे का सही प्रबंधन और अधिक से अधिक पेड़ लगाना जैसे कार्य सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। मेरा मानना है कि यदि हम सभी अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाएं, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है। आखिरकार, प्रकृति हमारे जीवन का आधार है और इसकी रक्षा करना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की जिला कार्यसमिति बैठक

सेवा, सुशासन एवं पर्यावरण संरक्षण पर हुई विस्तृत चर्चा

अंबिकापुर। संकल्प भवन, भाजपा जिला कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा की जिला कार्यसमिति बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 स्वर्णिम वर्षों की उपलब्धियों तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर व्यापक वृक्षारोपण अभियान, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरण तथा स्वच्छता अभियान को सफल बनाने हेतु कार्यकर्ताओं की भूमिका पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित किए हैं। कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि केंद्र सरकार की उपलब्धियों और जनहितकारी योजनाओं को प्रत्येक परिवार तक पहुंचाकर आमजन को इनका लाभ दिलाएं। उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अधिक से अधिक

पौधारोपण करने और पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि स्वच्छ एवं हरित वातावरण स्वस्थ समाज की आधारशिला है। प्रत्येक कार्यकर्ता को पौधारोपण के साथ-साथ उसके संरक्षण का भी संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने नागरिकों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने पर बल दिया। जिला महामंत्री विनोद हर्ष ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से जानकारी दी और कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की विचारधारा और सरकार की उपलब्धियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया। जिला महामंत्री अरुणा सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और सामाजिक जागरूकता के अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक में वैभव सिंह देव, चन्द्रिका प्रसाद यादव, इन्दर भगत, राम दयाल चौहान, विनोद सारथी, कुसुम, सीमा कश्यप, निरेन्द्र सारथी, प्रकाश गड़वारी, परमेश्वर सारथी, ओमप्रकाश सोनवानी, रोशन अनंत, विजय सोनवानी, विवेक चौहान, ईश्वर चौधरी, राम गोपाल, सुरेंद्र नायक, जगेश्वर सहित अनुसूचित जाति मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अमेरा समिति लहपटरा में किसानों की समस्याओं को लेकर किसान कांग्रेस का निरीक्षण, खाद वितरण व्यवस्था पर जताई नाराजगी

लखनपुर। आगामी खरीफ सीजन और मानसून के आगमन से पहले किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने की मांग को लेकर किसान कांग्रेस ने क्षेत्र के किसानों की समस्याओं का जायजा लिया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लखनपुर के अध्यक्ष आदरणीय अमित सिंह देव के निर्देश पर किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अजर राम चौधरी ने अमेरा समिति लहपटरा पहुंचकर किसानों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान किसानों ने खाद वितरण की वर्तमान व्यवस्था को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि खेती के महत्वपूर्ण समय में उन्हें बार-बार समिति के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जिससे खेती-किसानी के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। किसान कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने सबसे पहले समिति क्षेत्र के किसानों से मुलाकात कर उनकी स्थिति और आवश्यकताओं की जानकारी ली। किसानों ने बताया कि रकबे के अनुरूप उन्हें खाद उपलब्ध नहीं हो रही है। खरीफ फसलों की बुवाई का समय नजदीक है और मानसून के आगमन की संभावना भी बनी हुई है, ऐसे में किसानों को डीएपी, यूरिया एवं अन्य उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता की आवश्यकता है। किसानों का कहना था कि वर्तमान वितरण व्यवस्था के कारण उन्हें जरूरत के समय पूरी मात्रा में खाद नहीं मिल पा रही है। किसानों की शिकायतों के बाद किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अजर राम चौधरी ने समिति प्रबंधक से चर्चा कर स्थिति की जानकारी ली। समिति प्रबंधक ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार छोटे किसानों को एकमुश्त खाद वितरण किया जा रहा है, जबकि मध्यम श्रेणी के किसानों को दो किस्तों में और पांच एकड़ से अधिक भूमि रखने वाले किसानों को तीन किस्तों में खाद उपलब्ध कराई जाएगी। प्रबंधक ने कहा कि यह व्यवस्था खाद के संतुलित वितरण और अधिक से अधिक किसानों तक पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू की गई है। हालांकि किसानों ने इस व्यवस्था पर असंतोष व्यक्त किया। उनका कहना है कि खेती का कार्य समयबद्ध होता है और खाद की आवश्यकता एक निश्चित अवधि में पड़ती है। यदि उन्हें किस्तों में खाद मिलेगी तो बार-बार समिति तक आना-जाना पड़ेगा, जिससे समय और आर्थिक संसाधनों दोनों की बर्बादी होगी। किसानों ने कहा कि वे खेती-किसानी के कार्यों में व्यस्त रहते हैं और हर बार खाद लेने के लिए समिति के चक्कर लगाना उनके लिए परेशानी का कारण बन रहा है।

आपातकाल की जननी कांग्रेस राष्ट्रपति शासन की मांग कर लोकतंत्र का उपहास उड़ा रही-भारत सिंह सिसोदिया

■ आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस आज लोकतंत्र बचाने का ढोंग कर रही है, जबकि जनता उसके शासनकाल के घोटालों और कुशासन को भूली नहीं है

अंबिकापुर। भारतीय जनता पार्टी सरगुजा के जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा द्वारा महामहिम राज्यपाल के नाम सौंपे गए ज्ञापन में छत्तीसगढ़ में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग को लोकतंत्र, संविधान और प्रदेश की जनता के जनादेश का घोर अपमान बताया है। उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस ने देश पर 1975 में आपातकाल थोपकर लोकतंत्र का गला घोंटा, प्रेस की स्वतंत्रता को कुचला, विपक्षी नेताओं को जेल में डाला और संविधान की मूल भावना को आहत किया, वही कांग्रेस आज लोकतंत्र और संवैधानिक व्यवस्था की दुहाई देकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। श्री सिसोदिया ने कहा कि सीतापुर की एक घटना को आधार बनाकर पूरे प्रदेश में संवैधानिक तंत्र विफल होने का आरोप लगाना पूरी तरह राजनीति से प्रेरित है। उक्त मामले में कानून के अनुसार अपराध दर्ज किया गया है तथा जांच और विधिसम्मत कार्यवाही जारी है। किसी एक घटना को बहाना बनाकर राष्ट्रपति शासन की मांग करना कांग्रेस की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में अविश्वास और राजनीतिक हताशा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास देश और प्रदेश को अस्थिर करने तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने के प्रयासों से भरा पड़ा है। केंद्र में रही

कांग्रेस और इसके गठबंधन सरकारों के कार्यकाल को देखें, तो केंद्र में उनके शासन के दौरान 80 से अधिक बार अलग-अलग राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाया गया है। देश ने 1975 का आपातकाल देखा, 1984 के सिख विरोधी दंगों की त्रासदी देखी, बोफोर्स घोटाला, 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, कॉमनवेल्थ घोटाला और कोयला आवंटन घोटाले जैसे अनेक प्रकरण देखे, जिन्होंने कांग्रेस की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाए। श्री सिसोदिया ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान करोड़ों रुपये के कथित शराब घोटाले, कोयला लेवी वसूली प्रकरण, महादेव ऑनलाइन सट्टा एप प्रकरण, पीएससी भर्ती अनियमितताओं, डीएमएफ मद के उपयोग को लेकर उठे प्रश्नों तथा विभिन्न विभागों में वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों ने प्रदेश की छवि को नुकसान पहुंचाया। इन मामलों में जांच एजेंसियों द्वारा कार्रवाई की गई तथा कई मामलों में तत्कालीन शासन से जुड़े प्रभावशाली व्यक्तियों, अधिकारियों और राजनीतिक पदाधिकारियों के नाम सार्वजनिक चर्चा और जांच का विषय बने। तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व मंत्री कवासी लखमा सहित कांग्रेस शासन से जुड़े अनेक व्यक्तियों के नाम विभिन्न जांचों और आरोपों के संदर्भ में सामने आए, जिनकी जांच संबंधित एजेंसियों द्वारा की गई अथवा की जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को उस समय संविधान संकट दिखाई नहीं दिया, जब प्रदेश में भ्रष्टाचार, संरक्षणवाद और प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोप लग रहे थे। आज जब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार पारदर्शिता, सुशासन और जनकल्याण के संकल्प के साथ कार्य कर रही है, तब कांग्रेस जनता के हितों के बजाय राजनीतिक षड्यंत्र और भ्रम फैलाने में लगी हुई है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि राजस्व कर्मचारियों की हड़ताल सहित अन्य प्रशासनिक विषयों का समाधान शासन ने संवैधानिक एवं प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत सुनिश्चित किया है। कांग्रेस ऐसे विषयों को राजनीतिक रंग देकर जनता के बीच असंतोष और भ्रम का वातावरण निर्मित करना चाहती है।

तुलसी माला खरीदने के जरूरी नियम और शुभ दिन

तुलसी माला को हमेशा सही नियम के साथ ही धारण करना चाहिए। जानिए इसे पहनने के लिए शुभ दिन और तरीका क्या है?

क्या आप तुलसी की माला पहनने की प्लानिंग कर रहे हैं? तो सबसे पहले इसे धारण करने के कुछ नियमों के बारे में जान लें। बता दें कि इसे भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण से जुड़े पवित्र प्रतीक के रूप में देखा जाता है। जानिए इसे पहनने के क्या-क्या नियम हैं?

इस दिन नहाने के बाद करें धारण तुलसी माला पहनने से पहले मन और तन की शुद्धता दोनों ही जरूरी है। नहाने के बाद साफ-सुथरे कपड़े पहनें और फिर इसके बाद ही तुलसी की माला पहनें। नियम के अनुसार इस माला को सोमवार, बुधवार और गुरुवार के दिन पहनना शुभ माना जाता है। एकादशी के दिन भी इसे पहना जा सकता है।

भगवान को करें याद

तुलसी की माला को धारण करने से पहले कुछ नियमों का पालन करना जरूरी है। गंगाजल से शुद्ध करने के बाद सबसे पहले भगवान विष्णु का स्मरण करें। उनसे जुड़े मंत्रों का जाप करने के बाद ही इसे पहनें। तुलसी माला का करें सम्मान इस बात का ध्यान रखें कि तुलसी माला को किसी ज्वेलरी की तरह नहीं पहनना है। इसे कभी भी भूलकर जमीन पर ना रखें और ना ही किसी भी तरीके से इसका अनादर करें। सम्मान के साथ पहनें और अपने पास रखें।

ना पहनें टूटी हुई तुलसी माला

अगर कभी पहनी हुई तुलसी माला टूट जाती है तो उसे जोड़कर फिर से ना पहनें। इसे किसी पवित्र जगह या फिर बहते जल में प्रवाहित कर देना ही शुभ होता है। हालांकि गलती से भी इसे दोबारा पिरोकर ना पहनें।

अपनाएं सात्विक जीवन

तुलसी माला जब भी धारण करें अपने मन में ये हमेशा अच्छे विचार ही रखें। विचारों में संयम रखना जरूरी है। इसे आध्यात्मिक जीवन से जोड़कर देखा जाता है और इसी वजह से इसे धारण करने के बाद सात्विक जीवन ही अपनाना चाहिए।

साफ-सफाई का रखें ध्यान

तुलसी की माला की साफ-सफाई का हमेशा ध्यान रखें। समय-समय पर इसकी सफाई करते रहिए। इससे माला की पवित्रता और शुद्धता बनी रहती है। साथ ही माला लंबे समय तक सुरक्षित और सही रह पाती है।

मन में रखें श्रद्धा भाव

तुलसी माला अगर आप धारण करने की प्लानिंग कर रहे हैं तो एक बात मन में गांठ बांध लीजिए कि इसका सबसे बड़ा नियम यही है कि श्रद्धा भाव हमेशा रखना है। सारे नियमों को मानने के साथ-साथ मन में भक्ति का भाव हमेशा रखना है। डिस्क्लेमर- इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नही करते कि ये पूर्णतया सत्य एवं सटीक हैं। विस्तृत और अधिक जानकारी के लिए संबंधित विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

असली और नकली सिल्क का फर्क कैसे पता करें

शादी हो, पार्टी हो या कोई बड़ा त्योहार, सिल्क का रॉयल लुक हमेशा सबसे अलग दिखता है। हर महिला की अलमारी में आपको सिल्क की साड़ी जरूर देखने को मिल जाएगी। लेकिन दिक्कत तब आती है जब आप हजारों रुपये खर्च करके सिल्क साड़ी लाती हैं और बाद में पता चलता है कि वह तो असल में 'आर्टिफिशियल सिल्क' है।आजकल मार्केट में असली और नकली सिल्क की पहचान करना काफी मुश्किल हो गया है क्योंकि नकली साड़ियां भी दिखने में उतनी ही चमकदार और सुंदर होती हैं। अगर आप भी सिल्क साड़ी खरीदने का प्लान बना रही हैं, तो ये इन 9 आसान ट्रिक्स से मिनटों में करें असली और नकली सिल्क का फर्क।

1. बर्निंग टेस्ट:

सिल्क की असली पहचान आग से होती है। अब आप पूरी साड़ी तो नहीं जला सकतीं, लेकिन साड़ी के किनारे से एक धागा निकालकर उसे जलाकर देखें। अगर धागा जलने पर 'बालों के जलने' जैसी गंध आए और उसकी राख काली और भुरभुरी हो, तो समझ लीजिए सिल्क असली है। अगर धागा प्लास्टिक की तरह पिघले और गांठ बन जाए, तो वह नकली सिल्क है।

2. हाथ से रगड़कर:

असली सिल्क को जब आप अपनी हथेलियों के बीच रगड़ेंगी, तो उसमें थोड़ी गर्मी महसूस होगी। असली सिल्क नेचुरल फाइबर होता है, इसलिए रगड़ने पर वह गर्म हो जाता है। वहीं, सिंथेटिक या नकली सिल्क रगड़ने पर बिल्कुल ठंडा रहता है।

3. रिंग टेस्ट:

यह ट्रिक हल्की सिल्क साड़ियों जैसे 'चिनिया सिल्क' या 'क्रेप सिल्क' पर बहुत काम आती है। अपनी एक उंगली की अंगूठी निकालें और साड़ी को उसके बीच से गुजारें। असली सिल्क इतना सॉफ्ट और लचीला होता है कि वह आसानी से छोटी सी अंगूठी के बीच से निकल जाएगा। नकली सिल्क अक्सर अटक जाता है या मुड़ जाता है।

4. साड़ी की चमक:

नकली सिल्क में एक जैसी, सफेद सी चमक होती है। लेकिन असली सिल्क की चमक खास होती है। इसे जब आप अलग-अलग एंगल से देखेंगी, तो इसका रंग हल्का बदलता हुआ सा दिखेगा। यह कुदरती चमक ही असली रेशम की पहचान है।

5. जरी के काम:

सिल्क साड़ियों पर अक्सर जरी का काम होता है। असली जरी में चांदी या सोने के तारों का इस्तेमाल होता है। इसे पहचानने के लिए साड़ी को उल्टा करके देखें। अगर पीछे की तरफ धागे बहुत ज्यादा उभरे हुए या चुभने वाले हैं, तो वह मशीन का काम हो सकता है और सिल्क की क्वालिटी भी हल्की हो सकती है।

मेहंदी बालों के लिए एक बेहतरीन नेचुरल कंडीशनर

दादी नानी बरसों से अपने बालों पर मेहंदी लगा रही हैं। इसके पीछे सिर्फ फैशन ही नहीं बल्कि कई वैज्ञानिक और हेल्थ बेनिफिट्स भी हैं। मेहंदी बालों के लिए एक बेहतरीन नेचुरल कंडीशनर का काम करती है। यह बालों की बाहरी परत को सील करती है, जिससे बाल चमकदार, मुलायम और घने नजर आते हैं। केमिकल कंडीशनर की तुलना में यह बालों को बिना किसी नुकसान के सिल्की बनाने में मदद कर सकती है। मेहंदी से बालों को खूबसूरत नारंगी-लाल या कत्थई रंग मिलता है इसलिए कुछ लोग इसका इस्तेमाल सफेद बालों को छुपाने के लिए करते हैं। मेहंदी की तासीर ठंडी होती है। इसलिए इसे सिर पर लगाने से स्कैल्प को ठंडक मिलती है,कुछ लोगों का मानना है कि इसे लगाने से सिरदर्द में राहत मिलती है। यही वजह है कि लोग अक्सर इसे गर्मियों के मौसम में लगाना ज्यादा पसंद करते हैं। अगर आप मेहंदी लगाना पसंद करते हैं तो आपने नोटिस किया होगा कि इसे लगाने के बाद बाल ड्राई होने लगते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही होता है तो आपको हेयर केयर नानी की टिप्स सुननी चाहिए।

सही चीजें ना मिलाना

मेहंदी को नमीयुक्त,गहरा और कंडीशनिंग बनाने के लिए सही सामग्रियों का संतुलन बनाना बेहद जरूरी है। मेहंदी नेचुरली ड्राई होती है। इसलिए इसमे सामग्रियों का बैलेंस बनाना जरूरी है। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो बाल ड्राई होंगे। वह कहती हैं कि मेहंदी मे दही, एलोवेरा, आंवला जरूर मिलाना चाहिए।

सही समय के लिए ना लगाना

बहुत सी महिलाएं इस गलती को करती हैं। अगर आप मेहंदी को 8 से 10 घंटों के लिए लगाकर रखते हैं तो बाल सूखे और बेजान हो सकते हैं। अगर आपके बाल छोटे हैं तो 3 से 4 घंटों के लिए मेहंदी लगाना काफी है।

गंदे बालों में मेहंदी लगाना

अगर आप तेल या पसीने वाले बालों में मेहंदी लगा लेते हैं तो ऐसा ना करें। ये एक बड़ी गलती है जिसका आपको ध्यान रखना चाहिए। हमेशा साफ बालों में मेहंदी लगाएं।

टिप :- इन सभी गलतियों की वजह से रिजल्ट सही नही आता है। अच्छे रिजल्ट के लिए साफ स्कैल्प पर मेहंदी लगाएं। मेहंदी अच्छी चीज है अगर सही तरह से इस्तेमाल की जाए तो।

आज का राशिफल

मेष राशि - आपके लिए तरक्की और कर्मक्षेत्र में बड़ी सफलता लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के दसवें भाव में गोचर करेंगे. कल आपके करियर में सीनियर्स का पूरा सपोर्ट मिलेगा, जिससे आपकी प्रतिभा निखर कर सामने आएगी. आपके बिजनेस में किए गए पुराने प्रयास अब रंग लाएंगे और बड़ा धन लाभ होने के योग बनेंगे. आपकी लव लाइफ में पार्टनर के साथ आपसी समझ बढ़ेगी और आप उनके साथ भविष्य की योजनाएं साझा करेंगे.

वृषभ राशि - भाग्य का साथ और नई उम्मीदें लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के नौवें भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में चल रही बाधाएं कल दूर होंगी और आपको नई नौकरी के बेहतरीन अवसर मिलेंगे। आपके बिजनेस मे विदेशी स्रोतों या लंबी दूरी की यात्राओं से बड़ा आर्थिक मुनाफा होने की संभावना है। आपकी लव लाइफ में मधुरता घुलेगी और पार्टनर के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा का प्लान बन सकता है।

मिथुन राशि - आपके लिए थोड़ा संभलकर और सावधानी से चलने का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के आठवें भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में काम की अधिकता के कारण मानसिक तनाव बढ़ सकता है, इसलिए दफ्तर में गॉसिप से दूर रहें। आपके बिजनेस में किसी भी नए निवेश से कल बचना ही समझदारी होगी, अन्यथा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

कर्क राशि - आपके लिए खुशियां और दांपत्य जीवन में मधुरता लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के सातवें भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में टीम वर्क से काम करने पर बड़ी सफलता मिलेगी और आपकी साख बढ़ेगी। आपके बिजनेस में पार्टनरशिप के कामों से कल उम्मीद से ज्यादा मुनाफा हाथ लगेगा, जिससे आर्थिक स्थिति सुदृढ होगी।

सिंह राशि - आपके लिए सूझबूझ और विरोधियों पर विजय पाने का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के छठे भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में छिपे हुए शत्रु कल परास्त होंगे और कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना की जाएगी। आपके बिजनेस में चल रही मंदी कल दूर होगी और आपको नए आर्डर मिलने से अच्छी आमदनी होने के योग हैं।

कन्या राशि - आपके लिए रचनात्मकता और बौद्धिक क्षमता में वृद्धि का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के पांचवें भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में आपकी नई रणनीतियां और विचार कामयाब होंगे, जिससे सहकर्मी आपसे प्रभावित होंगे। आपके बिजनेस में अचानक कहीं से बड़ा धन लाभ हो सकता है, जिससे आपकी रुकी हुई योजनाएं दोबारा गति पकड़ेंगी।

तुला राशि-सुख-सुविधाओं और पारिवारिक खुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के चौथे भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में वर्कलोड बढ़ने से घर और दफ्तर के बीच संतुलन बनाने में थोड़ी परेशानी हो सकती है। आपके बिजनेस में भूमि, भवन या वाहन से जुड़ा कोई बड़ा सौदा फाइनल हो सकता है, जिससे भविष्य में लाभ होगा।

वृश्चिक राशि - आपके लिए पराक्रम और आत्मविश्वास में बढ़ोतरी का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के तीसरे भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में आपके छोटे भाई-बहनों या मित्रों के सहयोग से कोई बड़ा प्रोजेक्ट समय पर पूरा हो जाएगा। आपके बिजनेस के सिलसिले में की गई छोटी यात्राएं बेहद फलदायी साबित होंगी और बाजार में नए ग्राहक जुड़ेंगे।

धनु राशि- आपके लिए आर्थिक समृद्धि और खुशियां लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के दूसरे भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में आपकी मधुर वाणी और व्यवहार कुशलता से दफ्तर में आपका प्रभाव बढ़ेगा, पदोन्नति की बात चल सकती है। आपके बिजनेस में फंसा हुआ धन वापस मिलने से आपका बैंक बैलेंस बढ़ेगा और नया निवेश करना आसान होगा।

मकर राशि - आत्मविश्लेषण और नई ऊर्जा के संचार का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के पहले भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर मे आपकी निर्णय लेने की क्षमता में अद्भुत सुधार होगा, जिससे उच्च अधिकारी आपसे बेहद खुश रहेंगे। आपके बिजनेस में आपकी योजनाएं सटीक बैठेंगी, जिससे आपको बड़ा मुनाफा होगा और साख में भी वृद्धि होगी।

कुंभ राशि- आपके लिए खर्चों में वृद्धि और थोड़ी भागदौड़ का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के बारहवें भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में विदेशी स्रोतों से लाभ के योग तो हैं, लेकिन दफ्तर की राजनीति से आपको खुद को बचाना होगा। आपके बिजनेस मे निवेश करते समय बजट का खास ख्याल रखें। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा।

मीन राशि- आपके लिए शानदार सफलताओं और लाभ कमाने का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के ग्यारहवें भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर मे मनचाही प्रगति होगी और लंबे समय से रुका हुआ इंसेंटिव या बोनस कल आपको मिल सकता है। आपके बिजनेस में आय के नए स्रोत बनेंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति उम्मीद से कही ज्यादा मजबूत हो जाएगी।

कटहल प्रेमियों के लिए खास रेसिपी

अगर आपने कभी अच्छी तरह मसालों में भुना हुआ कटहल खाया है, तो आप जानते होंगे कि इसकी खुशबू और स्वाद कितनी देर तक याद रहता है। कई घरों में कटहल सिर्फ एक स जी नहीं, बल्कि खास दिनों का पकवान माना जाता है। जब कड़ाही में प्याज, टमाटर और मसाले धीरे-धीरे पकते हैं और उनमें कटहल मिलाया जाता है, तो पूरी रसोई खुशबू से भर जाती है। यही वजह है कि कटहल की सूखी मसालेदार स जी खाने की मेज पर आते ही सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेती है। बाहर से हल्की कुरकुरी और अंदर से नरम यह स जी रोटी, पराठे या पूरी के साथ बेहद स्वादिष्ट लगती है। अगर इस बार कुछ ऐसा बनाना चाहते हैं जो रोज की स जियों से बिल्कुल अलग हो, तो सूखा कटहल मसाला एक शानदार रेसिपी हो सकती है।

सूखा कटहल मसाला बनाने के लिए सामग्री

पांच सौ ग्राम कटहल, दो बारीक कटे प्याज, दो टमाटर, एक चम्मच अदरक और लहसुन का पेस्ट, दो हरी मिर्च, आधा चम्मच हल्दी, एक चम्मच लाल मिर्च, एक चम्मच धनिया पाउडर,आधा चम्मच गरम मसाला, आधा चम्मच जीरा,स्वादानुसार नमक,दो से तीन चम्मच तेल, हरा धनिया सजाने के लिए

कटहल तैयार करने का तरीका

कटहल काटते समय हाथों और चाकू पर थोड़ा तेल लगा ले ताकि चिपचिपाहट ना लगे। कटहल को मध्यम आकार के टुकड़ों मे काट लें और अच्छी तरह धो लें। अब एक बर्तन में पानी और थोड़ा नमक डालकर कटहल को कुछ मिनट तक उबाल लें। इससे कटहल जल्दी पकता है और उसका स्वाद भी अच्छा आता है।

सूखा कटहल मसाला बनाने की विधि

सबसे पहले एक कड़ाही में तेल गर्म करें। इसमें जीरा डालें और कुछ सेकंड तक चटकने दें। अब इसमें प्याज डालकर सुनहरा होने तक भून लें। प्याज अच्छी तरह भुन जाए तो अदरक और लहसुन का पेस्ट डालकर कुछ देर चलाएं। इसके बाद कटे हुए टमाटर और हरी मिर्च डाल दें। जब टमाटर नरम हो जाएं तो हल्दी, लाल मिर्च, धनिया पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। मसाला अच्छी तरह पक जाए तो उबला हुआ कटहल डाल दें। अब इसे मसाले के साथ अच्छे से मिलाएं ताकि मसाले कटहल पर अच्छी तरह चढ़ जाएं। धीमी आंच पर 10-15 मिनट तक पकाएं और बीच-बीच में चलाते रहें। अंत में गरम मसाला डालकर मिला दें और ऊपर से हरा धनिया छिड़क दें।

घर पर बनाएं ट्रैंडी नेल आर्ट डिजाइन्स

सैलून में नेल आर्ट डिजाइन बनवाने जाएंगी, तो हजारों रुपये खर्च करने पड़ेंगे। तो क्यों ना आप घर पर माचिस की तीली की मदद से नेल आर्ट के अट्रैक्टिव पैटर्न बनाएं। यहां कुछ डिजाइन देखिए।

माचिस की तीली से बनाएं नेल आर्ट डिजाइन

नेल आर्ट का ट्रेंड इन दिनों खूब चल रहा है। हर कोई नाखूनों पर सुंदर नेल पॉलिश लगाकर उन्हें कलर्स के साथ सजाना पसंद करता है। सैलून में नेल आर्ट कराने जाएंगे तो हजारों रुपये खर्च हो जाएंगे, तो क्यों ना आप घर पर ही नाखूनों पर डिजाइन बना लें। हम आपके लिए बिल्कुल आसान और ट्रेंडी नेल आर्ट के पैटर्न लेकर आए हैं, जिन्हें आप माचिस की तीली की मदद से बना सकती हैं। ये डिजाइन देखने में अट्रैक्टिव लगेंगे और सिंपल तरीके से आप बना भी लेंगी।

<u>लाइनिंग नेल आर्ट :-</u> ब्लैक कलर की नेल पेंट लगाएं और ऊपर से व्हाइट कलर की लाइन माचिस की तीली से बना लें। बस आपकी सिंपल और ट्रेंडी डिजाइन रेडी हो जाएगी।

<u>ब्लू नेल डिजाइन :-</u> हल्के रंग की नेल पॉलिश लगाकर आप ब्लू या किसी और डार्क कलर की नेल पेंट को लगाएं। माचिस की तीली से ये भी आसानी से लग जाएगी।

<u>डॉटेड डिजाइन :-</u> ब्राउन कलर की नेल पॉलिश पर ब्लैक नेल डॉटेड नेल पेंट कूल लुक दे रहा है। इसे लगाना भी काफी सिंपल है। ब्राउन पेंट लगाकर तीली की बिना मसाला वाली साइड से डॉट बनाएं। सूख जाने पर ट्रांसपेरेंट पॉलिश लगाएं।

<u>नेल टिप डिजाइन :-</u> ट्रेंडी लुक के लिए पूरे नाखून में हल्के रंग वाली पॉलिश लगाएं और टिप पर तीली से डॉट बना लें। पूरे मे नेल पॉलिश न लगाएं, तब भी ये टिप वाली डॉटेड डिजाइन अच्छी लगेगी।

<u>डॉट-लाइन नेल आर्ट डिजाइन :-</u> डॉट और लाइनिंग वाली नेल आर्ट डिजाइन भी आप माचिस की तीली से बना सकते हैं। इसके लिए आपको कई रंगों की नेल पॉलिश चाहिए होगी। आप ये सेम पैटर्न या फिर अपने हिसाब से कलर से डिजाइन बना सकती हैं।

<u>लीफ नेल आर्ट डिजाइन :-</u> नेल आर्ट में आप लीफ वाली डिजाइन भी बना सकते हैं। छोटे-छोटे डॉट्स के साथ इस पैटर्न को बनाएं और छोटे फूल या पत्तियां बना लें। ये पैटर्न भी ट्रेंडी और खूबसूरत लगेगा।

ज्ञान, संस्कृति और आस्था का अनमोल खजाना

जैन धर्म की अमूल्य सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और साहित्यिक धरोहर मानी जाने वाली लगभग 2,000 दुर्लभ जैन पांडुलिपियों को पुन: जैन समाज को लौटाने की दिशा मे ऐतिहासिक पहल प्रारंभ हुई है। ब्रिटेन के प्रतिष्ठित वेलकम कलेक्शन द्वारा संरक्षित इन प्राचीन पांडुलिपियों की संभावित वापसी को सांस्कृतिक न्याय, विरासत संरक्षण और जैन ज्ञान परंपरा के पुनर्सम्मान की दिशा मे एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 1919 मे अविभाजित भारत (वर्तमान पाकिस्तान क्षेत्र) के एक जैन मंदिर से इन पांडुलिपियों का संग्रह किया गया था। बाद में यह संग्रह ब्रिटिश उद्योगपति सर हेनरी वेलकम के निजी संग्रह का हिस्सा बना और वर्षों तक लंदन स्थित संग्रहालय मे सुरक्षित रखा गया। अब एक सदी से अधिक समय बाद इन अमूल्य धरोहरों को उनके मूल समुदाय तक पहुंचाने की प्रक्रिया पर गंभीर विचार-विमर्श चल रहा है इन दुर्लभ पांडुलिपियों में प्राकृत, संस्कृत और गुजराती भाषाओं मे लिखित जैन आगम, धार्मिक साहित्य, दर्शन और सांस्कृतिक ग्रंथों का विशाल भंडार सुरक्षित है। कई हस्तलिखित ग्रंथों में प्राकृतिक रंगों, स्वर्ण अलंकरण और उत्कृष्ट चित्रकला का अद्भुत संगम देखने को मिलता है, जो भारतीय कला और जैन परंपरा की समृद्ध विरासत का जीवंत प्रमाण है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन पांडुलिपियों का महत्व केवल धार्मिक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक, भाषाई और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इनके अध्ययन से भारतीय ज्ञान परंपरा और जैन दर्शन के अनेक अनछुए आयामों पर प्रकाश पड़ सकता है विश्वभर मे उपनिवेशकाल के दौरान विभिन्न देशों से ले जाई गई सांस्कृतिक धरोहरों को उनके मूल समुदायों को लौटाने की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे समय में जैन पांडुलिपियों की यह वापसी सांस्कृतिक न्याय और विरासत संरक्षण की दिशा मे एक ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है सूत्रों के अनुसार इन पांडुलिपियों को जैन अध्ययन एवं शोध संस्थानों के माध्यम से सुरक्षित रखा जाएगा तथा भविष्य में इनके डिजिटलीकरण की भी योजना बनाई जा सकती है, जिससे विश्वभर के शोधार्थियों और विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सके। जैन समाज, विद्वानों और विभिन्न धार्मिक संगठनों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे "धार्मिक और सांस्कृतिक गौरव का ऐतिहासिक क्षण" बताया है। समाज के अग्रणियों का कहना है कि यह केवल पुस्तकों की वापसी नहीं, बल्कि जैन समाज की आस्था, इतिहास और पहचान की पुनर्स्थापना है यह पहल आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ जैन श्रुतज्ञान और भारतीय विरासत के संरक्षण के प्रति वैश्विक जागरूकता को भी नई दिशा प्रदान करेगी।

मैं कुआं नहीं 100 साल का इतिहास हुं

मैं महज़ एक कुआँ नहीं, बल्कि दुर्ग के 100 साल पुराने इतिहास का जीता-जागता गवाह हुं। इंदिरा मार्केट के बीचों-बीच मैं स्थित हुं। कभी पूरे व्यापारिक क्षेत्र और राहगीरों की प्यास बुझाता था, शहर की जीवनरेखा था।आज नगर निगम की अनदेखी के कारण मैं अपनी पहचान खो रहा हूं। सौंदर्यीकरण के नाम पर कभी मुझे फव्वारा लगाकर सजाया संवारा गया था, लेकिन अब मैं अपनी बदहाली पर आँसू बहा रहा हूं।

फोटोः नाहीद शेख

कलेक्टर ने साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों को निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण ढंग से निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

दल्लीराजहरा। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने कहा कि राज्य में आम जनता को अपनी शिकायत दर्ज कराने सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्राप्त करने तथा उनके शिकायतों का समयबद्ध निराकरण करने हेतु शीघ्र ही सीएम हेल्प लाईन की शुरूआत होने वाली है। कलेक्टर मिश्रा ने जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को सीएम हेल्प लाईन के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों को विशेष प्राथमिकता के साथ निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण ढंग से निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर मिश्रा आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में उक्ताशय के निर्देश दिए हैं। इस मौके पर आज राज्य स्तरीय प्रशिक्षण दल के प्रमुख अशोक चौबे एवं अन्य अधिकारियों के द्वारा जिले के अधिकारी-कर्मचारियों को सीएम हेल्प लाईन के माध्यम से प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों के निराकरण के संपूर्ण प्रक्रिया के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

कलेक्टर मिश्रा ने सीएम हेल्प लाईन की शुरूआत को आम जनता के शिकायतों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने हेतु एकीकृत, सुलभ और विश्वसनीय माध्यम प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा शुरू किए जा रहे अत्यंत महत्वाकांक्षी एवं दूरदर्शी कदम बताया। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारियों को सीएम हेल्प लाईन के माध्यम से प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का गुणवत्तायुक्त ढंग से त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। बैठक में पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर अजय किशोर लकरा एवं नूतन कंवर सहित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। इस मौके पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण दल के प्रमुख अशोक चौबे ने सीएम हेल्प लाईन के अंतर्गत शिकायत प्रबंधन प्रणाली के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने आनलाईन शिकायतों का पंजीयन, विभिन्न स्तर पर इसकी मॉनिटरिंग के साथ-साथ चरणबद्ध प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्प लाईन का उद्देश्य आम नागरिकों को शासकीय योजनाओं और सेवाओं की समुचित जानकारी उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाना है। इसके साथ ही सीएम पोर्टल के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं का निर्धारित समयावधि में लाभ उपलब्ध कराने के साथ-साथ प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का गुणवत्तायुक्त ढंग से निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। चौबे ने बताया कि सीएम हेल्पलाईन सेंटर सप्ताह के सातों दिन एवं 24 घण्टा संचालित रहेगा। इसके माध्यम से प्रदेश का कोई भी नागरिक टोल फ्री नंबर 1076 एवं 18002333300 के अलावा वेब पोर्टल, मोबाइल ऐप और व्हाट्सएप जैसे आधुनिक माध्यमों में से किसी भी एक माध्यम से किसी भी समय आसानी से अपना शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सीएम पोर्टल में शिकायत दर्ज होने के साथ ही उन्हें एक विशिष्ट पहचान संख्या मिलेगी।

दक्ष के अहंकार पर शिव का मौन प्रहारः कथा में गूंजा संदेश, समय का सदुपयोग ही सच्ची साधना

पंडरिया। हरिनाला स्थित तिवारी काम्प्लेक्स में आयोजित श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन बुधवार को कथा व्यास पंडित भूषण उपाध्याय (मुंगेली) ने भगवान शिव, माता सती और राजा दक्ष के प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण एवं प्रेरणादायी वर्णन किया। कथा के आयोजक नरेंद्र तिवारी के सान्निध्य में चल रहे इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर कथा श्रवण कर रहे हैं। कथा व्यास पंडित भूषण उपाध्याय ने कहा कि भगवान शिव ऐसे देव हैं जो कभी किसी के शत्रु नहीं होते। वे सदैव लोककल्याण, तप और ध्यान में लीन रहते हैं। शिव का चरित्र हमें यह सिखाता है कि जीवन में समय का सदुपयोग ही सबसे बड़ी साधना है। जो व्यक्ति अपना समय दूसरों की आलोचना, ईर्ष्या और विवाद में नष्ट करता है, वह स्वयं अपने विकास का मार्ग अवरुद्ध कर लेता है। कथा के दौरान राजा दक्ष और भगवान

शिव के प्रसंग का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया गया कि प्रजापति दक्ष अपने पद और प्रतिष्ठा के अहंकार में इतने डूब गए कि उन्होंने भगवान शिव का अपमान कर दिया। इसके बावजूद शिव ने कभी प्रतिशोध की भावना नहीं रखी। उन्होंने अपने समय और ऊर्जा को किसी के विरोध में नहीं, बल्कि सृष्टि के कल्याण में लगाया। यही कारण है कि भगवान शिव को देवों के देव महादेव कहा जाता है। व्यासपीठ से बताया गया कि जब राजा दक्ष ने विशाल यज्ञ का आयोजन किया और भगवान शिव को आमंत्रित नहीं किया, तब माता सती अपने पिता के यज्ञ में पहुंचीं। वहां भगवान शिव के प्रति अपमानजनक व्यवहार देखकर वे अत्यंत व्यथित हुईं और योगाग्नि में अपने शरीर का त्याग कर दिया। इस घटना ने राजा दक्ष के अहंकार को चूर-चूर कर दिया और अंततः उन्हें अपनी भूल का एहसास हुआ। कथा में कहा गया कि यह प्रसंग केवल पौराणिक घटना नहीं, बल्कि वर्तमान समाज के लिए भी एक बड़ा संदेश है। पद, प्रतिष्ठा और अधिकार मिलने पर यदि व्यक्ति अहंकारी हो जाता है तो उसका पतन निश्चित है। वहीं विनम्रता, धैर्य और क्षमा का मार्ग अपनाने वाला व्यक्ति सम्मान और सफलता प्राप्त करता है। कथा स्थल पर भगवान शिव के जयघोष और भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर जीवन में अहंकार त्यागने तथा समय का सदुपयोग करने का संकल्प लिया।

कथा का संदेश

भगवान शिव किसी के दुश्मन नहीं होते। वे हमें सिखाते हैं कि समय को व्यर्थ विवादों में नहीं, बल्कि आत्मकल्याण और लोककल्याण में लगाना चाहिए। अहंकार का अंत निश्चित है, जबकि विनम्रता व्यक्ति को महान बनाती है।

दादी के निधन पर पत्रकारो ने दी श्रंद्धाजलि

गाजीपुर। पत्रकार शिवप्रताप तिवारी भोलू की दादी आरती तिवारी उम्र 90 वर्ष पत्नी स्व0 सिद्धान्त तिवारी का निधन सोमवार 1 जून को हो गया। जिससे पत्रकार जगत मर्माहत है। जिसपर गाजीपुर पत्रकार एसोसिएशन के कचहरी स्थित कार्यालय पर बुधवार को एक शोकसभा किया गया। जिसमें पत्रकार अनिल उपाध्याय, सूर्यवीर सिंह, विनोद गुप्ता, आशुतोष त्रिपाठी, विनय तिवारी, शशिकान्त तिवारी आदि ने स्वर्गीय आरती तिवारी को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इसकी जानकारी देते हुए शिवप्रताप ने बताया कि मान्यता प्राप्त पत्रकार स्व0 सिद्धान्त तिवारी के चार पुत्र है सबसे बड़े अरविन्द तिवारी जो हनुमार मंदिर के पुजारी है दूसरे पुत्र मान्यता पत्रकार स्व. अनिल तिवारी थे जिनका निधन पहले हो चुका है। तीसरे नम्बर के गुड्डू तिवारी व चौथे नम्बर के अजय कुमार तिवारी सिविल बार संघ गाजीपुर के अधिवक्ता व स्वयंसेवक है। दो पुत्रियो व एक पोता की शादी हो चुकी है। नाती पोतो से भरापुरा परिवार छोड़ गयी। इनकी अन्तेष्ठी सोमवार को नगर के गंगा किनारे स्थित श्मशानघाट पर सांय काल छोटे पुत्र अजय कुमार तिवारी ने मुखाग्नि देकर किया। अन्तिम यात्रा में नगर के संभ्रान्त नागरिक व पत्रकार, अधिवक्ता, संघ के स्वयंसेवक, समाजसेवी उपस्थित रहे।

खेत को कांटा तार से घेरा करने एवं पुरानी रंजिश के चलते डंडा से की हत्या 02 आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। खेत को कांटा तार से घेरा करने एवं पुरानी रंजिश के चलते डंडा से हत्या करने वाले 02 आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। प्रार्थी अमरकांत पिता विद्यासागर नवरंग उम्र 40 वर्ष, निवासी मुरकुटा थाना नवागढ़ जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि ग्राम मुरकुटा से ग्राम साल्हेघोरी रास्ता में इनके और गेंदलाल नवरंग का खेत आपस में लगा हुआ है, जिसपर दोनो के मध्य पानी व तार घेरा की बात पर विवाद था। उक्त बातों को लेकर रंजिशवश गेंदलाल नवरंग एवं उसके लड़का शशीकांत नवरंग उर्फ सुशील के द्वारा अपने घर के सामने गली में पिता विद्यासागर नवरंग उम्र 57 वर्ष, निवासी मुरकुटा को डंडा से उसके सिर एवं शरीर के अन्य हिस्सा में प्राणघातक वार कर हत्या कर दिया है कि कि रिपोर्ट पर थाना नवागढ़ में अपराध सदर धारा

103(1), 3(5) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में विवेचना दौरान वरिष्ठ अधिकारी एफएसएल युनिट टीम के सहयोग से घटना स्थल निरीक्षण एवं शव पंचनामा कार्यवाही किया गया। घटना की जानकारी अधिकारियों को दी गई, जिस पर मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नवागढ़ उप निरीक्षक भुनेश्वर यादव को थाना स्टाफ के साथ प्रकरण की विवेचना कार्यवाही में लगाया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी गेंद लाल नवरंग से घटना के संबंध में पुछताछ करने पर पता चला की इन दोनों का खेत आपस में ग्राम मुरकुटा से ग्राम साल्हेघोरी रास्ता में लगा हुआ है, विद्यासागर नवरंग अपने खेत को कांटा तार से घेर दिया। जिससे इनको अपने खेत आने-जाने में परेशानी हो रहा था खेत को कांटा तार से घेरा करने के कारण एवं पुरानी रंजिश वश आज विद्यासागर नवरंग को अकेला देखकर डंडा से सिर को जोर से मारकर गंभीर चोट पहुचाकर हत्या करना।

जनपद सभापति द्वारा पानी टैंकर की सौगात, क्षेत्र 16 में विकास कार्यों के लिए भूमिपूजन

डोंगरगांव नगर। जनपद क्षेत्र क्रमांक 16 के जनपद सदस्य एवं सभापति रेशमा साहू के द्वारा अपने क्षेत्र के समग्र विकास एवं नागरिक सुविधाओं के सशक्तिकरण हेतु अनेक प्रकार के विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान की है। क्षेत्र अंतर्गत छुईखदान के लिए चलित पानी टैंकर की सौगात दी है। रेशमा साहू ने पायनियर को बताया कि ग्राम पंचायत छुईखदान में ग्रामीणों की लंबे समय से मांग चली आ रही थी, अब पानी की समस्या का स्थाई समाधान हो सकेगा। उन्होंने विभिन्न कार्यों के लिए भूमिपूजन किया, जिसमें मोखली ग्राम पंचायत में सीसी रोड निर्माण कार्य के लिए 2 लाख रुपए, कोटरासरार में पेयजल के लिए पाइपलाइन विस्तार हेतु 01 लाख रुपये एवं सोनेसरार में सीसी रोड 2 लाख रुपए शामिल हैं। इस अवसर पर छुईखदान सरपंच घनश्याम साहू, प्रीतम साहू, ओमप्रकाश, दीना, पन्नालाल, राधे, कांति साहू, चंद्रिका साहू, ईश्वरी साहू, तामेश्वरी साहू, पुष्पा साहू, मोतिम साहू, ललिता साहू, पूर्णिमा साहू, बालकृष्ण गंजीर, सचिव गैंदलाल साहू व महेंद्रकांत साहू सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

अभिषेक शांडिल्य (IG, दुर्ग रेंज) के नेतृत्व में ड्रग्स डिस्पोजल समिति ने पूरी की वैधानिक प्रक्रिया

दुर्ग पुलिस ने 7.88 करोड़ के मादक पदार्थ किया खाक

भिलाई स्टील प्लांट की भट्ठी में नष्ट किए गए 62 हजार किलो अफीम के पौधे

पुलगांव थाने में दर्ज मामले के तहत जब्त की गई थी अफीम की भारी खेप, कोर्ट की अनुमति के बाद हुई कार्रवाई

पर्यावरण विभाग की गाइडलाइन और कड़े सुरक्षा मानकों के बीच एसएमएस-3 प्लांट में अंजाम दिया गया नष्टीकरण

क्राइम रिपोर्टर/ दुर्ग, 4 जून। नशे के सौदागरों और अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे महा-अभियान के तहत दुर्ग रेंज पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक कार्रवाई की है। पुलिस ने वैधानिक कानूनी प्रक्रिया को पूरा करते हुए लगभग 7.88 करोड़ रुपये मूल्य के जब्त मादक पदार्थों को भिलाई इस्पात संयंत्र (BSP) के SMS 3 प्लांट की भट्ठी में पूरी तरह नष्ट कर दिया। यह पूरी कार्रवाई गुरुवार को दुर्ग रेंज स्तरीय ड्रग्स डिस्पोजल समिति की प्रत्यक्ष निगरानी में सुरक्षा मानकों के साथ संपन्न हुई।

न्यायालय से हरी झंडी मिलने के बाद एक्शन- पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरी सामग्री दुर्ग के थाना पुलगांव में दर्ज अपराध क्रमांक 247/2026 के तहत एनडीपीएस (NDPS) एक्ट की धारा 8 एवं 18 के अंतर्गत जब्त की गई थी। मामले में लंबी न्यायालयीन एवं वैधानिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद, अदालत से इन प्रतिबंधित मादक पदार्थों को नष्ट करने की आधिकारिक अनुमति प्राप्त की गई थी।

आईजी और एसएसपी की मौजूदगी में नष्टीकरण- ड्रग्स डिस्पोजल समिति के अध्यक्ष एवं दुर्ग रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (IG) अभिषेक शांडिल्य के नेतृत्व में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इस संवेदनशील प्रक्रिया के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) व उप पुलिस महानिरीक्षक विजय अग्रवाल तथा आबकारी उपायुक्त शशांक कुमार सहित समिति के सभी आला अधिकारी प्लांट में मुस्तैद रहे। मादक पदार्थों को भट्ठी में डालने से पहले पर्यावरण विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों से आवश्यक 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (NOC) और कानूनी अनुमतियां ली गई थीं।

=क्या-क्या हुआ नष्ट=

कुल अफीम के पौधेः 14 लाख 30 हजार 100 (जड़, तना, पत्ती, फूल-फल सहित)
पौधों का कुल वजनः 62,422.2 किलोग्राम (62 टन से अधिक)
अफीम डोडाः 62.540 किलोग्राम
मिश्रित डोडा बुकीः 572 ग्राम
कुल अनुमानित बाजार कीमतः 7,88,00,000 (7.88 करोड़ रुपये)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com